राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय
कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com
सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित
सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 20 मई 2024 वर्ष–7,अंक–116 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

गुरुग्राम की बस्ती में लगी आग, 65 झुग्गियां राख

-घटना को कोई जनहानि नहीं, पुलिस ने लोगों को बचाया

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार को झुग्गी बस्ती में भीषण आग लगने से 65 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की गाड़ियां पहुंच गई और आग पर काबू पाया। आग से कोई जानी नुकसान की सूचना नहीं हैं। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग लगने का कारण रसोई गैस का रिसाव था। पुलिस के मुताबिक गुरुग्राम के सेक्टर-65 इलाके में सुबह करीब 10 बजे आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया लेकिन 65 झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने कहा कि आग की घटना में किसी के हताहत होने या झुलसने की कोई सूचना नहीं है। पुलिस ने बच्चों समेत कई लोगों को झुग्गियों से बाहर निकाला। पुलिस अधिकारी के मुताबिक यह पूरा निर्माण अवैध रूप से किया गया था और इसमें किसी भी सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया गया था। यह घटना लापरवाही के कारण हुई और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बीएसएफ ने त्रिपुरा से सोने की तस्करी करने वाले को पकड़ा

-36 लाख का सोना जब्त, एक अन्य तस्कर फरार

निश्चिंतपुर। पश्चिमी त्रिपुरा के निश्चिंतपुर इलाके में सोने की तस्करी करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक व्यक्ति को पकड़ा है। बीएसएफ ने उसके पास से चार सोने की छड़े बरामद की है जिनकी कीमत 36 लाख रुपए बताई जा रही है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। बीएसएफ के जवानों को शनिवार को सूचना मिली कि निश्चिंतपुर सीमा चौकी के अंतर्गत आने वाले स्थानों पर जाल बिछाया और सीमा के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को भारतीय सीमा में घुसते हुए देखा। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि वह बांग्लादेश से भारत की सीमा में प्रवेश कर रहे थे। सीमा बाड़ को लांघते हुए वह पास के वन क्षेत्र में पहुंचे वैसे ही बीएसएफ के जवानों ने उनमें से एक संदिग्ध को पकड़ लिया जबकि दूसरा घने जंगल का फायदा उठाकर भाग निकला। पकड़े गए संदिग्ध का नाम प्रशांत राय है उसके पास से 36.6 लाख रुपए कीमत की सोने की चार छड़ जब्त की गईं। संदिग्ध प्रशांत राय अमतली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले किश्मतकुरी का निवासी है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह सोने की तस्करी करता था।

दक्षिण तमिलनाडु में भारी बारिश, स्थिति से निपटने बचाव दल तैयार

चेन्नई। दक्षिण तमिलनाडु में भारी बारिश से लोग परेशान हैं। कन्याकुमारी जिले में बांधों पर निगरानी की जा रही है। आपदा बचाव दल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। कन्याकुमारी जिला अग्निशमन अधिकारी सत्यकुमार ने बताया कि यदि बाढ़ की स्थिति बनती है तो विभाग हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। लोगों को जल निकायों के पास न जाने की अपील की है और बिजली जाने पर सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि लोग बिजली गुल होने की सूचना तत्काल बिजली विभागा को दें और अग्निशमन और बचाव सेवाओं को भी सूचित करें। कन्याकुमारी जिले के नौ बांधों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अगर इन बांधों में पानी का बहाव ज्यादा हुआ तो कुछ बांधों के गेट खोल दिए जाएंगे। मौसम विभाग ने लोगों से कहा है कि मौसम की स्थिति के बारे में दी जा रही सलाह का पालन करें।

जम्मू-कश्मीर में दिखे हथियारों के साथ संदिग्ध, तलाशी शुरू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में कुछ संदिग्ध होने की सूचना पर सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तरनाह नाला पुल के पास उस इलाके को घेर लिया है जहां तीन संदिग्धों के देखे जाने की जानकारी मिली थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक विशेष पुलिस अधिकारी ने दावा किया था कि उन्होंने शनिवार देर रात तीन संदिग्धों को हथियारों के साथ इस इलाके में देखा। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बल सक्रिय हो गए और इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अभी तक किसी के पकड़े जाने की जानकारी नहीं मिली है।

केंद्र सरकार के खिलाफ आप ने किया प्रदर्शन

–भीषण गर्मी के बावजूद गिरफ्तारी देने भाजपा कार्यालय पहुंचे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोका

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भीषण गर्मी के बावजूद आज रविवार को दिल्ली में आाम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। आप के प्रदर्शन को देखते हुए भाजपा कार्यालय के पास भारी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए थे। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भाजपा कार्यालय में जाकर गिरफ्तारी देने की बात कही थी, लेकिन इजाजत नहीं मिलने के कारण उन्हें रोक दिया गया और कुछ देर बाद ही प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सभी सांसदों, विधायकों और तमाम कार्यकर्ताओं ने पार्टी दफ्तर पहुंच प्रदर्शन में शामिल हुए। पार्टी दफ्तर से सभी नेता व कार्यकर्ता तय समय पर भाजपा कार्यालय जाने वाले थे, लेकिन उन्हें इससे पहले ही रोक दिया गया। इस भीषण गर्मी के बावजूद आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए थे। इससे पहले कि प्रदर्शन कर रहे आप नेता व कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय पर पहुंचते उन्हें रोक दिया गया। भाजपा कार्यालय में

पहुंचने और गिरफ्तारी देने की इजाजत नहीं मिली थी, जिस कारण कुछ समय के बाद ही प्रदर्शन समाप्त हो गया।

प्रदर्शन में आम लोग भी हुए शामिल

आम आदमी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के समर्थन में जमा भीड़ में काफी तादाद में आम लोग भी नजर आए। प्रदर्शन के दौरान भारी भीड़ एकत्र हो गई और सीएम केजरीवाल के नेतृत्व में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोग भाजपा कार्यालय की ओर बढ़े लेकिन उन्हें वहां पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया। कायार्लय में जाने और गिरफ्तारी देने की इजाजत नहीं मिली, इसके बाद आप को अपना प्रदर्शन रोकना पड़ा। इस बीच आम जनता भी केजरीवाल के प्रदर्शन में शरीक होती हुई नजर आई।

सुरक्षा के भारी इंतजाम

दिल्ली की भीषण गर्मी के बावजूद आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन में जुटी भारी भीड़ का आंकलन दिल्ली पुलिस को पहले से ही था, इसलिए भारी सुरक्षा बल का इंतजाम किया गया था। हद यह रही कि प्रदर्शन के चलते दिल्ली पुलिस के साथ ही पैरामिलिट्री फोर्स को भी लगाया गया था।

– पीएम मोदी ने ममता सरकार पर साधा निशाना और कहा– टीएमएसी, कांग्रेस के साथ खड़ी

आत्मनिर्भर भारत के लिए आशीर्वाद चाहिए

पुरुलिया। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के मतदान से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में एक जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा, कि पुरुलिया ने मोदी और भाजपा को असीम स्नेह दिया है। इसलिए यहां आज मोदी आपसे वोट मांगने नहीं, बल्कि आप सबसे आशीर्वाद मांगने आया है।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि मुझे विकसित भारत के लिए आप सभी का आशीर्वाद चाहिए। आत्मनिर्भर भारत के लिए मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए। पीएम मोदी ने इस अवसर पर इंडिया गठबंधन पर भी खूब निशाना साधा और कहा, कि 4 जून अब बहुत दूर नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि ये लोग दिल्ली में एयर कंडीशनर कमरे में बैठकर... अपना दिमाग खपाते हैं। यह सब बेकार है फालतू में समय बर्बाद मत करो। यहां का दृश्य देख लो, 4 जून को क्या होने वाला है।

पीएम मोदी ने कहा कि इंडिया गठबंधन वालों के तरकश में जितने भी तीर थे, ये लोग सब चला चुके लेकिन जनता-जनार्धन के सुरक्षा कवच के आगे इनका हर तीर, इनकी हर साजिश नाकाम साबित हुई है। उन्होंने कहा, कि बाबा साहेब अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे, लेकिन आज इंडिया गठबंधन वाले धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में तो इन लोगों ने ओबीसी कोटे का आरक्षण मुसलमानों को दे दिया और टीएमसी इस साजिश में कंधे से कंधा मिलाकर कांग्रेस के साथ खड़ी है।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने बंगाल की ममता सरकार पर खूब निशाना साधा और कहा कि टीएमएसी तो यह कहकर राजनीति में आई थी कि मां, माटी, मानुष की रक्षा करेगी। आज मां, माटी और मानुष का ही भक्षण टीएमसी कर रही है। यहां पीएम मोदी ने संदेशखाली मामले का भी जिक्र किया और अपने पक्ष में वोट देने का आव्हान किया।

उत्तराखंड में लगी जंगल की आग से पिघल रहे हैं हिमालय के ग्लेशियर

देहरादून ।(एजेंसी)

उत्तराखंड राज्य के 7 जिलों के वनों में भयंकर आग लगी थी। कई दिनों बाद इस आग को बुझाया जा सका। आग लगने के दुष्परिणाम सामने आना शुरू हो गए हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी के साथ पिघलना शुरू हो गए हैं। हिमालय के ग्लेशियर में कार्बन की मात्रा सामान्य से ढाई गुना ज्यादा पाई गई है। वाडिया इंस्टीट्यूट के पूर्व ग्लेशियर वैज्ञानिक डॉक्टर डीपी डोभाल के अनुसार वायु प्रदूषण से ग्लेशियर कार्बन की चपेट में आ गए हैं। कार्बन के कण गर्म होते हैं, जो ग्लेशियर की परत में चिपक जाते हैं। उसके कारण ग्लेशियर के पिघलने की मात्रा बढ़ गई है। ब्लैक कण सूर्य की किरण को तेजी के साथ अवशोषित करते हैं। जिसके कारण ग्लेशियर की ऊपरी परत गर्म होकर पिघलना शुरू कर देती है। उल्लेखनीय है उत्तराखंड के सात जिलों में लगभग 22 दिनों तक जंगल में आग जलती रही। उत्तराखंड के 1450 हेक्टेयर के जंगल जलकर खाक हो गए हैं। इसका सबसे ज्यादा असर चमोली के ऋषि गंगा कैट में सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है।

अबू सलेम को सता रहा है मौत का डर, कहा- जेल बदलने की आड़ में हो सकती हत्या

मुंबई। (एजेंसी)

करीब तीन दशक पहले मुंबई में हुए सीरियल बम धमाकों के दोषी अबू सलेम को मौत का डर सता रहा है। उन्होंने कहा है कि मेरी जेल ट्रांसफर के बहाने उसकी हत्या हो सकती है। इसके लिए उसने स्पेशल कोर्ट में याचिका दाखिल की थी और जेल ट्रांसफर नहीं करने के लिए आदेश देने की अपील कोर्ट से की है। कोर्ट ने उसकी याचिका पर सुनवाई करते हुए तलोजा जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगले आदेश तक अबू सलेम का जेल ट्रांसफर नहीं करें। बता दें कि छोटा राजन के सहयोगी मुंबई सेंट्रल जेल, औरंगाबाद सेंट्रल जेल, अमरावती सेंट्रल जेल और कोल्हापुर सेंट्रल जेल जैसी विभिन्न जेलों में बंद हैं। अबू सलेम को आशंका है कि वे जेल अधिकारियों को रिश्वत देंगे और दबाव डालेंगे। उस पर हमला करो। अधीक्षक के जवाब के लिए मामले को 28 मई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। सलेम की याचिका में कहा गया है कि तलोजा जेल के अंडा सेल के अधिकारी सुरक्षा कारणों से अंडा सेल के टूटने या मरम्मत के बहाने उसे स्थानांतरित करने की योजना बना रहे हैं। याचिका में कहा गया है, भले ही इसे सच माना जाए और मरम्मत की आवश्यकता है, सलेम को आसानी से तलोजा सेंट्रल जेल के अंदर किसी अन्य सर्कल या बैरक या सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है, क्योंकि यह बहुत विशाल जेल है। याचिका में कहा गया है कि अबू सलेम 15 साल से तलोजा जेल में बंद हैं। वह लगभग सभी कैदियों को जानता है और उनमें से कोई भी किसी गैंगस्टर से जुड़ा नहीं है जो उसके जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। याचिका में कहा गया, उसके तबादले के बारे में सोचने से उसके मन में अपने जीवन की सुरक्षा का डर पैदा हो रहा है, जिससे वह अवसाद में आ रहा है। 19 साल पहले पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के बाद से जेल में बंद अबू सलेम को आशंका है कि जैसे-जैसे जेल से उसकी रिहाई करीब आ रही है, उसे अन्य जेलों में स्थानांतरित करके उसे मारने की साजिश रची जा रही है। उसे अपनी जान पर खतरा महसूस हो रहा है। सलेम ने पिछले दो हमलों का भी हवाला दिया, जिनमें आर्थर रोड जेल में गैंगस्टर और इसी मामले में एक और दोषी मुस्तफा दोसा की हत्या कर दी गई थी।

आसमान में उड़ रहे विमान में लगी आग, बेंगलुरु में कराना पड़ी आपात लैंडिंग

बेंगलुरु। बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में अचानक आग लग गई। इसके बाद विमान की बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। केआईए का प्रबंधन करने वाले बीआईएएल के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 18 मई को बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे विमान के एक इंजन में आग लगने की जानकारी मिलने के बाद राआसमान में उड़ रहे विमान में लगी आग, बेंगलुरु में कराना पड़ी आपात लैंडिंग बेंगलुरु(ईएमएस)। बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में अचानक आग लग गई। इसके बाद विमान की बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। केआईए का प्रबंधन करने वाले बीआईएएल के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 18 मई को बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे विमान के एक इंजन में आग लगने की जानकारी मिलने के बाद रात साढ़े 11 बजे करीब बीएलआर हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।लैंडिंग के तुरंत बाद विमान में लगी आग पर काबू पा लिया गया।एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा कि सभी यात्रियों और चालक दल को निकाल लिया गया है और कोई भी हताहत की जानकारी नहीं मिली है। सूत्रों के मुताबिक, विमान ने उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही आग लगाने का पता चला गया था। इसके बाद चालक दल के सदस्यों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को संदेश दिया गया और तुरंत इमरजेंसी की घोषणा कर दी। इसके बाद बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग की गई और तुरंत आग पर काबू पा लिया। वीरेन्द्र विश्वकर्मा/ईएमएस 19 मई 2024त साढ़े 11 बजे करीब बीएलआर हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।लैंडिंग के तुरंत बाद विमान में लगी आग पर काबू पा लिया गया।एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा कि सभी यात्रियों और चालक दल को निकाल लिया गया है और कोई भी हताहत की जानकारी नहीं मिली है। सूत्रों के मुताबिक, विमान ने उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही आग लगाने का पता चला गया था। इसके बाद चालक दल के सदस्यों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को संदेश दिया गया और तुरंत इमरजेंसी की घोषणा कर दी। इसके बाद बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग की गई और तुरंत आग पर काबू पा लिया।

सत्ता में आए तो किसानों का कर्जा माफ और महिलाएं बनेंगी लखपति : राहुल गांधी

फूलपुर में राहुल व अखिलेश ने की रैली, भीड़ ने बैरिकेडिंग फांद स्टेज का रुख किया, दिखी अव्यवस्था

फूलपुर। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के फूलपुर और प्रयागराज में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संयुक्त रैली का आयोजन हुआ । इसमें राहुल गांधी ने कहा कि यदि उनकी सरकार आई तो वो किसानों का कर्जा माफ कर देंगे । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं को लखपति बनाएंगे, प्रत्येक परिवार की एक महिला के बैंक खाते में प्रतिमाह 8500 रुपये जमा कराए जाएंगे । इस रैली व सभा के दौरान भीड़ अचानक बैरिकेडिंग लांघ कर स्टेज की तरफ बढ़ती दिखी, जिससे अव्यवस्था फैल गई ।

फूलपुर के बाद प्रयागराज में भी इंडिया ब्लॉक की संयुक्त रैली का आयोजन हुआ । यहां कांग्रेस सांसद व स्टार प्रचारक राहुल गांधी पहले ही मंच पर पहुंच गए और उन्होंने मौजूद जनता का अभिवादन स्वीकार करते नजर आए । उनके थोड़ी देर बाद ही अखिलेश यादव भी मंच पर पहुंचे । इसी बीच ग्राउंड पर मौजूद पार्टी कार्यकर्ता व भीड़ से कुछ लोग बैरिकेंड लांघने की कोशिश करते नजर आए । यह देख मंच से उन्हें संयम बरतने और बैरिकेड न तोड़ने की सलाह दी गई । बावजूद इसके कुछ लोग बैरिकेडिंग तोड़ मंच के करीब पहुंच गए । जनता का उत्साह देख अखिलेश ने कहा कि हम लोग अपनी बात आप लोगों के बीच में रखने ही आए हैं और मैं जानता हूं कि आपका उत्साह बहुत बढ़ा हुआ है, यह जोश हमें वोट डालने की तारीख तक बनाए रखना है । उन्होंने कहा कि इससे पहले यही जोश हमने फूलपुर में भी देखा । इसके साथ ही अखिलेश ने कहा कि भाजपा हमारी और आपकी जान और संविधान के पीछे पड़ी हुई है । उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि संविधान बचेगा तो नौकरी मिलेगी, पीडीए परिवार का सम्मान बचेगा । उन्होंने यहां पेपर लीक मामले को भी उठाया और इसी के साथ कहा कि यदि इंडिया ब्लॉक सत्ता में आया तो अग्निवीर योजना बंद करेंगे। कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तो महज 22 लोगों को ही अरबपति बनाया

है, लेकिन हम करोड़ों लोगों को लखपति बनाएंगे। करोड़ों गरीबों की सूची तैयार की जाएगी और हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुन कर उनके बैंक खाते में साल के एक लाख रुपये जमा कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि करोड़ों महिलाओं के बैंक अकाउंट में साल के एक लाख रुपए यानी हर महीने 8500 रुपए जमा कराए जाएंगे। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि हम सत्ता में आए तो किसानों का कर्जा माफ कर देंगे।

संपादकीय

चारधाम के इंतजाम

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं के सैलाब से जिस तरह प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। तीखी गर्मी के बीच लगे कई किलोमीटर लंबे जाम कष्टकारी और जानलेवा साबित हुए हैं। दरअसल, अक्षय तृतीया के दिन दस मई को केदारनाथ, यमनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले थे। उसके ठीक बाद बारह मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद तो श्रद्धालुओं का तांता लग गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि पहले पांच दिनों में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु तीर्थों के दर्शन कर चुके थे। इसके अलावा सत्ताईस लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके थे। बताया जाता है कि पिछले साल के मुकाबले इन दिनों में करीब पांच गुना अधिक श्रद्धालु तीर्थस्थलों तक पहुंचे। स्थिति का अनुमान न लगा पाने के कारण व्यवस्था व सुविधाएं अस्त-व्यस्त होकर रह गई। गर्मी के दौरान कई किलोमीटर लंबे जाम में फंसे होने के कारण कुछ लोगों के रास्ते में मरने की खबरें आ रही हैं। जो साफ बताता है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन तीर्थ यात्रियों की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा सका। दरअसल, पारिस्थितिकीय रूप से बेहद संवेदनशील इस हिमालयी क्षेत्र की संरचनाएं बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं। हमारे नीति-नियंताओं ने इस क्षेत्र में भारी-भरकम विकास के नाम पर जो कुछ भी किया वह हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए ही किया। चारधाम ऑल वेदर रोड बनाने के प्रयास तो हुए लेकिन यात्रा को सहज-सुगम बनाने के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके। दरअसल, देश के मध्यम वर्ग में आई संपन्नता व बैंकिंग सुविधाओं के चलते वाहनों की खरीद में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लोग बसों आदि के बजाय अपने वाहन लेकर इन तीर्थ स्थलों पर पहुंच रहे हैं। सरकारें भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुगम नहीं बना सकी। जिसके चलते दर्जनों किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें जानलेवा साबित हो रही हैं। हकीकत यह भी है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या का ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सका है। जिसके चलते तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाएं भी कम पड़ गई। अफरा-तफरी और कुछ श्रद्धालुओं की मौत के बात शासन-प्रशासन जागा है। फिर आनन-फानन में दर्शन के इच्छुक तीर्थयात्रियों की संख्या को सीमित किया गया। दरअसल, तीर्थयात्रियों का दबाव कम करने हेतु यात्रा के लिये होने वाले नामांकन को भी फिलहाल टाला गया है। लेकिन इस नियमन का असर ये हुआ कि मैदानी इलाकों से चारधाम यात्रा के लिये निकले यात्री बीच के पहाड़ी इलाकों में फंस गये, जहां उनके ठहरने के लिये पर्याप्त व गुणवत्ता की सुविधाए नहीं हैं। जिससे यात्रियों के कष्टों में इजाफा ही हुआ है। दरअसल, वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी से सबक लेकर तीर्थयात्रियों के नियमन के लिये जो कदम उठाये जाने चाहिए थे, उनको लेकर गंभीरता नजर नहीं आयी है। वहीं दूसरी ओर गर्मी शुरू होते ही लोगों में पहाड़ों की तरफ निकलने का चलन आम हो गया है। बच्चों की स्कूलों में छुट्टियां होने के चलते तमाम लोग पहाड़ी इलाकों के सैर सपाटों के लिये भी निकलते हैं। लेकिन पहाड़ी इलाकों की अपनी सीमाएं हैं। जो सड़कें कभी सीमित वाहनों के लिये बनी थी, वे कारों का सैलाब नहीं झेल पा रही हैं।

पौष्टिक खुराक की निर्देशावली का हो पालन

दिनेश सी. शर्मा

पिछले सप्ताह हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान –जो कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के तत्वावधान तले देश में सबसे पुरानी अनुसंधान प्रयोगशालाओं में एक है, ने 'भारतीयों के लिए खान-पान दिशा निर्देश' जारी किये हैं। यह दस्तावेज़ हजारों स्वयंभू और तथाकथित विशेषज्ञों द्वारा सोशल मीडिया पर पौष्टिकता, भोजन एवं खुराक को लेकर मचाई जाने वाली चिल्ल-पों के बीच ताज़ी हवा का झोंका बनकर आया है क्योंकि उक्त लोगों की भोजन और पौष्टिकता पर कही अधिकांश बातें भ्रामक और झूठी होती हैं। आलम यह है कि एक ओर खाद्य पदार्थ उत्पादक कंपनियां और घर तक व्यंजन पहुंचाने वाले एप्प आधारित सेवा प्रदाता उपभोक्ता को यकीन दिलवा रहे हैं कि घर का खाना एक पाप है। वहीं फूड-ब्लॉगर हर ऐरे-गैरे रेहड़ी-ढाबे वाले के चीनी, नमक और वसा से भरे ऊलजलूल व्यंजनों को 'असली स्वाद' और 'स्वर्गिक' बताकर महिमामंडित कर रहे हैं। स्वयंभू पौष्टिकता विशेषज्ञ और मशहूर चेहरे अंजान उपभोक्ता को खान-पान का नया चलन बताकर उलझा रहे हैं । फैक्ट्री में बने खाद्य उत्पादों पर 'स्वास्थ्यकर' व 'ताजा' का ठप्पा लगाकर बेचा जा रहा है जबकि सेहत- ताजगी से दूर-दूर तक वास्ता नहीं है। निस्संदेह, एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा विभिन्न उम्र वर्ग और अंचल के लोगों के लिए प्रमाण-आधारित और तथ्यात्मक खुराक निर्देशावली जारी करना स्वागत योग्य है। लगभग एक सदी से एनआईएन (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन) भारत में पौष्टिकता और खाद्य संबंधी अनुसंधान कार्य में लगा है और इस विषय में ज्ञान का भंडार है। पौष्टिकता संबंधी लगभग सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे कि एकीकृत बाल विकास योजना, मिड-डे मील योजना और साल्ट आयोडाइज़ेशन के अलावा पौष्टिकता की कमी के उत्पन्न रोगों का निदान करने वाली योजनाएं एनआईएन द्वारा दिए वैज्ञानिक शोध आधारित परामर्श पर आधारित है। खुराक संबंधी नवीनतम निर्देशावली इस समृद्ध विरासत का एक हिस्सा है। सरसरी तौर पर देखने पर 17 निर्देशों वाला यह परामर्श पुरानी बातें और साधारण सा लगता है, मसलन, विभिन्न भोज्य पदार्थों से युक्त खुराक स्वास्थ्यकर होती है, फल और सब्जियों का सेवन अधिक मात्रा में करें और वसा का उपयोग न कम, न ज्यादा मात्रा में करें। लेकिन इस निर्देशावली की असली ताकत है प्रत्येक निर्देश भारत के संदर्भ में प्रमाण आधारित है। इस संहिता में प्रत्येक आयु-वर्ग के स्वास्थ्य को प्रोत्साहन और बीमारियों की पूर्व-रोकथाम पर जोर दिया गया है, इसमें जहां एक ओर विशेष ध्यान शिशुओं, स्तनपान करवाने वाली महिलाओं और बुजुर्गों पर है तो वहीं अन्य अवयवों की भूमिका जैसे कि शारीरिक गतिविधियां, सुरक्षित पेयजल, साफ-सफाई और पर्यावरणीय पहलुओं पर भी है। इस खुराक परामर्श को भोजन वर्ग और आम भारतीय की खुराक एवं खाद्य अवयवों को आधार बनाकर तैयार किया गया है, जैसे कि, अनाज, दालें, दूध, सब्जियां और फलों का समुचित मात्रा में समावेश कर खुराक तय करना। इस दस्तावेज़ का एक अहम हिस्सा है खाद्य उत्पादों पर लगे लेबल को सही ढंग से पढ़ना और समझना सिखाना। इसमें प्रचलित भ्रामक दावों की असलियत समझाई गई है, जैसे कि पूर्ण प्राकृतिक, असली फल या रस युक्त, पूर्ण अऩाज (मिल्लेट), चीनी-मुक्त, कॉलेस्ट्रॉल रहित, स्वास्थ्य-मित्र, जैविक, कम-वसा युक्त इत्यादि अर्धसत्य शब्दों का प्रयोग करना। अतएव लोगों के मन में बैठायी गई गलत धारणा के आलोक में एनआईएन जैसे प्रमाणिक संस्थान द्वारा लेबल को सही अर्थों में समझाना बहुत महत्वपूर्ण बन जाता है। इन दिशा-निर्देशों का बृहद संदर्भ है भारत में इन दिनों बीमारियों द्वारा नया रूप धरने की प्रक्रिया। देश के समक्ष जहां कुपोषण और अल्पपोषण रूपी समस्या है तो दूसरी ओर मोटापा और अति-मोटापा। अनुमान है कि भारत में बीमारियों के कुल बोझ के पीछे 56.5 फीसदी कारक गलत खुराक है। व्याधियों में अधिकतर हिस्सा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का है। शारीरिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के साथ स्वास्थ्यकर भोजन लेने से हृदय संबंधी अवस्था, रक्तचाप और मधुमेह टाइप-2 जैसी बीमारी को काफी हद तक घटाया जा सकता है। एनआईएन का सर्वेक्षण बताता है कि 1-19 साल आयु-वर्ग में काफी संख्या अब उनकी है जिनमें उम्र से पहले गैर-संक्रमित रोग जैसे कि मधुमेह और उच्च-रक्तचाप देखने को मिल रहे हैं। कुपोषित एवं अल्प-पोषित और सामान्य वृद्धि वाले बच्चों की आधी संख्या में मैटाबॉलिक बायोमार्कर्स का मिलना चिंता का विषय है। हमारी रोजमर्रा की खुराक मूलतः नाकाफी है। मसलन, भारतीयों की रोजाना की खाद्य ऊर्जा जरूरत (2000 कैलोरी) में सामान्यतः ग्राह्य भोजन में अनाज (चावल, गेहूं, मोटा अन्न) की मात्रा कायदे से 45 फीसदी तक होनी चाहिए, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि इनका अंश 50-70 प्रतिशत तक है। एनआईएन का कहना है कि जनसंख्या के बड़े भाग में माइक्रोन्यूट्रेंट-सघन पदार्थ (अनाज, दालें, फलियां, मेवा, ताजा सब्जी, फल इत्यादि) का सेवन अनुशंसित स्तर से कम है। सीमित उपलब्धता और दालों एवं मांस की ऊंची कीमतें लोगों को गेहूं-चावल जैसे आम अनाज पर निर्भर रहने को मजबूर करती हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्यप्रद विकल्पों की अपेक्षा अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, बहुत अधिक वसा, नमक और चीनी युक्त खाद्य वस्तुओं का मूल्य अधिक वहन योग्य और सुलभ हो गया है। ऐसे उत्पादों का ताबड़तोड़ विज्ञापन और प्रचार की तरकीबें बच्चों- बड़ों की भोजन संबंधी प्राथमिकताओं को प्रभावित कर रहे हैं। जो कुछ हम खाते हैं वह भोजन संबंधी उस माहौल पर निर्भर होता है जहां हम रहते हैं, आगे जिसका निर्धारण और स्वरूप सरकारी नीतियों पर निर्भर है। यदि अनाज, मांस और दालें गरीब की क्रय शक्ति से बाहर हो जाएं या परम-प्रसंस्कृत एवं अस्वास्थ्यकारी विकल्प अधिक सस्ते और आकर्षक बन जाएं तो ये स्थितियां गलत सरकारी नीतियों का परिणाम हैं। खुराक दिशानिर्देशों के अनुपालन को आसान बनाने वास्ते हमें अनेकानेक क्षेत्रों में सामंजस्य विकसित करने वाली नीतियां बनानी होंगी। जैसे कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सुरक्षा, विज्ञापन एवं विपणन, उपभोक्ता जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा, औद्योगिक प्रोत्साहन, पैकेजिंग इत्यादि। स्वास्थ्यकारी भोजन करना एक उपभोक्ता की जिम्मेवारी और चुनाव का विषय है लेकिन सरकारी उत्तरदायित्व है कि ऐसा खाद्य माहौल पैदा करें ताकि लोग जो भी चुनें वह सही हो। एनआईएन ने अस्वास्थ्यकारी और अति-प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को भ्रामक लेबल और आक्रामक विज्ञापन प्रचार के दम पर बेचने पर चिंता जताई है। लेकिन इस चेतावनी का क्या फायदा जब खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय एक जैसे उत्पाद बनाने वाली कंपनियों (कोला या चिप्स निर्माता इत्यादि) को सब्सिडी मुहैया करके बढ़ावा दे और खाद्य नियंत्रण प्राधिकरण उनके साथ याराना निभाएं। एक अन्य उदाहरण है गेहूं-चावल जैसे आम प्रचलित अन्न की खपत घटाने की जरूरत में दालों, फल, मांस इत्यादि के सेवन को प्रोत्साहित करने की बजाय मोटा अनाज अपनाने का अतिशयी प्रचार करना। मोटे अनाज पर जोर देने का नुकसान भी है कि यह मिल्लेट कुकीज़ के नाम पर प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएं बेचने का अन्य अवसर बन गया है। हमें अपनी सार्वजनिक नीतियों में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है ताकि खुराक संबंधी दिशा-निर्देश लोगों के लिए वास्तविक विकल्प बन सकें।

लेखक विज्ञान संबंधी विषय के टिप्पणीकार हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख

और अब नामांकन भी बन गया उत्सव ...

(लेखिका- निर्मल रानी)

चाहे वह प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो, चुनाव प्रचार में रैली या रोड शो करना हो,जी एस टी जैसी नीति लागू करनी हो यहां तक कि कोविड जैसी विश्व की अब तक की सबसे बड़ी आपदा ही क्यों न हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन जैसे सभी अवसरों में उत्सव तलाशने में विशेष महारत रखते हैं । हालांकि समय समय पर ज़रुरत के अनुसार वे यह भी बताने से भी नहीं चूकते कि उनकी परवरिश बेहद ग़रीबी में हुई। वह सार्वजनिक तौर पर भी कई बार अपनी ग़रीबी का ज़िक्र करते हुये अपने बचपन की कई दास्तानें सुना चुके हैं। वे स्वयं अपने व अपनी मां के पीड़ादायक दिनों का जिक्र करते हुये बता चुके हैं –कि बेचारी मेरी मां बर्तन साफ़ किया करती थीं। मैंने अपनी मां को दूसरों के घरों में बर्तन मांजते देखा है। साथ ही वह हमारा पालन पोषण भी बख़ूबी करती थीं। उन्होंने यह भी बताया था कि – हम बिनौले छीलते थे, सुबह बेचने जाते थे, जिससे हमें जीने के लिए कुछ मज़दूरी मिलती थी। मोदी ने कहा कि मजबूरियों से घिरी मां के बोझ को कम करने के लिए मैंने ख़ुद चाय बेची थी। प्रायः वे अपनी परवरिश के लिए दिये गये अपनी मां के बलिदान को याद करते रहते हैं। उनकी इस बाल कथा को सुनकर निश्चित रूप से सुनने वालों का मन यह सोचकर द्रवित हो उठता है कि इतनी ग़रीबी में पलने वाला व्यक्ति किस तरह भारतीय संविधान व लोकतंत्र की महिमा से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँच सका। और जब वही मोदी यह कहते हैं कि मैं प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधानसेवक हूँ। वे स्वयं को फ़क़ीर भी बताते हैं। यहाँ तक कि जब उनसे यह पूछा जाने लगता है कि उनमें यह फ़क़ीरी आई कहाँ से ? और वे ख़ुद ही यह भी कहते हैं कि – विरोधी मेरा क्या कर लेंगे? हम तो फ़क़ीर आदमी हैं, झोला लेकर चल पड़ेंगे।यह फ़क़ीरी है, जिसने मुझे गरीबों के लिए लड़ने की ताक़त दी है। संघ से जुड़े अपने शुरुआती दिनों पर रौशनी डालते हुये वे यह भी बता चुके हैं कि काफ़ी दिनों तक वे अहमदाबाद के मणिनगर में डॉ. हेडगेवार भवन में रुके थे ,वहां वे सफ़ाई करते थे। वहां उनका यही काम था,सुबह 5 बजे उठना, झाड़ू-पोछा लगाना. सबके लिए चाय बनाना और 5.20 बजे सबको उठाकर चाय देना। मोदी यह भी कह चुके हैं कि – कोई भरोसा नहीं करेगा, लेकिन मैं 35 साल तक भिक्षा मांग कर खाया हूं। बेशक ये बात किसी के गले नहीं उतरेगी। हालांकि, मैं कहीं बता कर नहीं जाता था। वहां जाने पर जो भी मिल जाता, मैं खा लेता। अगर नहीं मिलता तो नहीं खाता। मेरा जीवन ऐसे ही गुज़रा है। कभी पार्टी के काम से देर से आया तो खिचड़ी बना कर खा लेता था। और प्रधानमंत्री बनने के बाद जब वे कभी कभी संतों की वेशभूषा में कहीं कहीं शाष्टांग दंडवत करते दिखाई देते हैं तो भी यही गुमान भी होने लगता है कि वास्तव में देश को ग़रीबी में परवरिश पाने वाला कोई संत फ़क़ीर रुपी प्रधानमंत्री मिला है। ज़ाहिर है ऐसे घोर ग़रीबी में पलने वाले ऐसे व्यक्ति से तो यही उम्मीद की जा सकती है कि उसका सारा जीवन सादगी से भरा हुआ होगा उसके रहन सहन व क्रिया कलापों में भी सादगी की झलक नज़र आएगी। और उसका सारा जीवन ग़रीबों के कल्याण में व उनका जीवन स्तर ऊपर लेजाने में गुज़रेगा। परन्तु इन्हीं नरेंद्र मोदी का एक ऐसा रूप भी है जो उनकी बालकथा से बिल्कुल विपरीत है। उनका खान पान परिधान आदि तो शाही हैं ही साथ ही उनके राजनैतिक व सरकारी क्रिया कलाप व आयोजन भी इतने ख़र्चीले हैं जितने कि पूर्व के किसी भी प्रधानमंत्री के नहीं रहे। मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपनी यात्रा के लिए लगभग 8,458 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक दो बोईंग 777-300श्क्र विमान ख़रीदे। यह विमान अमेरिकी राष्ट्रपति के एयरफ़ोर्स वन की तरह के हैं। बल्कि कई मामलों में उससे भी आधुनिक हैं। एक ग़रीब प्रधानमंत्री के इस क़दम की बहुत आलोचना हुई थी क्यूंकि इसमें देश की ग़रीब जनता का पैसा लगा था। इसी के साथ मोदी ने सेंट्रल विस्टा नामक परियोजना के तहत नया संसद भवन बनवा डाला। इस परियोजना की लागत अनुमानतः ₹13,450 करोड़ थी। यह भी जनता के टैक्स के पैसों से बनाया गया ऐसा प्रोजेक्ट था जिसकी देश को कोई आपातकालीन ज़रुरत नहीं थी। पुराना संसद भवन भी अभी पूरी तरह मज़बूत अवस्था में है। मगर यह सब एक फ़क़ीर प्रधानमंत्री के फ़ैसले थे। मोदी जी को जहां मंहगे व बेशक़ीमती परिधान पहनने व दिन में कई बार लिबास बदलने का शौक़ है वहीँ इनकी घड़ियाँ व पेन आदि भी लाखों रूपये क़ीमत के और विदेशी होते हैं। याद कीजिये राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौरे पर मुलाक़ात के समय नरेंद्र मोदी ने जो कोट सूट पहना था उसके फ़ैब्रिक में ही नरेंद्र दामोदरदास मोदी बुना हुआ था। जब इस आलीशान शहंशाही परिधान की खूब आलोचना हुई तो इसे नीलाम कर दिया गया। उसी के बाद विपक्षी मोदी सरकार को सूट बूट वाली सरकार कहते हैं। मेकअप कराना फ़ोटो शूट कराना,पोज़ देना ,कैमरे में अपने सिवा अन्यों को फ़्रेम से बाहर रखना जैसी फ़क़ीरी भरी बातों से तो सभी वाक़िफ़ हैं।

इतना ही नहीं बल्कि सरकारी ख़र्च पर बड़े बड़े आयोजन करना चुनावी सभाओं व रैलियों को करोड़ों ख़र्च कर उत्सव का रूप देना ,अपनी छवि चमकाने के लिया एजेंसियां अनुबंधित करने व विज्ञापन आदि पर जनता का पैसा ख़र्च करना भी इनके शग़ल में शामिल है। गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान सी प्लेन मोदी ने सी प्लेन उद्घाटित किया और वोट बटोरने की कोशिश की परन्तु बाद में वह सेवा ही बंद हो गयी। जी एस टी जैसा कथित तौर पर व्यावसायिक विरोधी कहा जाने वाला क़ानून जिस रात लागू हुआ उस रात तो ऐसा जश्न मनाया गया गोया देश को नई आज़ादी मिली हो। चुनावों में होने वाले इनके रोड शो बेहद ख़र्चीले होते हैं। इनके रोड शो में ट्रकों में भरकर फूल मंगाए जाते हैं। एक स्थान पर सैकड़ों कार्यकर्त्ता उनकी पंखुड़ियां अलग करते हैं। फिर पूरे रस्ते में पार्टी कार्यकर्त्ता निर्धारित दूरी व स्थान पर थैलों में उन पंखुड़ियों को लेकर सड़कों व छतों पर खड़े होते हैं। और शहंशाह रुपी फ़क़ीर के वहां से गुज़रने पर उनपर पुष्प वर्षा करते हैं। जबकि देश को टी वी पर देखने में यही लगता है कि जनता फूल बरसा कर उनका स्वागत कर रही है।

पिछले दिनों वाराणसी में उनके नामांकन के दौरान भी इसी तरह का दृश्य देखने को मिला। पहले उन्होंने 13 मई को वाराणसी में 6 किमी लंबा बेहद ख़र्चीला रोड शो किया। उसके बाद क्रूज़ पर बैठ वाराणसी के घाटों का भ्रमण किया। उसी क्रूज़ पर एक गोदी मीडिया के सदस्य टी वी चैनल को एक सुगम साक्षात्कार दिया। उसमें अपनी भावुकता जमकर दर्शायी। उसके बाद 14 मई को नामांकन में तो काशी में भाजपा के दिग्गजों का जमावड़ा लग गया। इनमें गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई मंत्री,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व अनेक मंत्रियों के अलावा कई राज्य के मुख्यमंत्री भी वहां मौजूद रहे। गोया करोड़ों रूपये ख़र्च कर फ़क़ीर की इस नामांकन प्रक्रिया को भी एक उत्सव का रूप दे दिया गया।

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर असमंजस

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा चुनाव 2024 के चार चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है। पांचवें चरण का मतदान 20 मई सोमवार को होने जा रहा है। लोकसभा के चुनाव परिणामों को लेकर तरह-तरह के दावे पक्ष एवं विपक्ष द्वारा किए जा रहे हैं। दावों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में बहुत बड़ा अंतर है। भारतीय जनता पार्टी ने जहां 400 पार का नारा दिया है, वहीं विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया द्वारा दावा किया जा रहा है कि भाजपा और एनडीए गठबंधन को इस बार अधिकतम 180 सीटों से अधिक पर जीत नहीं मिलेगी। इंडिया गठबंधन का कहना है कि इस बार महंगाई, बेरोजगारी एवं आर्थिक कारणों से, जनता यह चुनाव खुद लड़ रही है। विपक्षी गठबंधन के सभी राजनीतिक दल मिलकर जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच में सीधा मुकाबला है। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 वर्षों में जनता से जो भी वादे किए थे, वह पूरे नहीं हुए हैं। उन वादों को भी अब आम मतदाता जुमला मान रहा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण मध्यम एवं निम्न वर्ग बहुत परेशान है। औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संस्थान पिछले वर्षों में बंद हुए हैं। जो नौकरियां थीं, वह भी खत्म हो रही हैं। नई नौकरियां लग नहीं रही हैं। युवाओं में बेरोजगारी बढ़ती ही जा रही है। आम आदमी टैक्स की मार से कराह रहा है। बजाये मलहम लगाने के सरकार महंगाई और बेरोजगारी जैसे मामले में आम आदमियों के घावों को कुरेदने का काम कर रही है। इस कारण जनता का गुस्सा अब सड़कों पर देखने को मिल रहा है। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भाजपा को विश्वास था, कि इस बार हिंदू मतदाताओं के बीच एक बड़ा ध्रुवीकरण होगा। सारे देश में हिंदुओं के वोट भाजपा के पक्ष में गिरेंगे। लेकिन चार चरणों के चुनाव होने तक धार्मिक ध्रुवीकरण, भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा, सनातन, मोदी की गारंटी जैसे मुद्दों पर लोगों को विश्वास नहीं हो पा रहा है। 2013-14 में आम मतदाताओं के बीच नरेंद्र मोदी एक चमत्कारिक नेता के रूप में सामने आए थे। पिछले 10 वर्षों के शासनकाल में वह ऐसा कोई चमत्कार नहीं दिखा पाए, जिस कारण जनता उनकी बातों पर विश्वास करे। 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भाजपा लड़ रही है। अब यही चेहरा मतदाताओं के लिए पसंदीदा नहीं रहा, उनकी बोली हुई बातों और गारंटीयों पर मतदाता को विश्वास नहीं रहा। किसान आंदोलन, महिला खिलाड़ियों के साथ किया गया पुलिसिया व्यवहार, केंद्रीय राज्य मंत्री के बेटे द्वारा किसानों को कुचलकर मार डालने, कर्नाटक का यौन शोषण कांड, महंगाई और बेरोजगारी इत्यादि ने सरकार की साख को कम करने का काम किया है। जांच एजेंसियों द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरह की कार्रवाई की गई है। उन्हें जेलों में भेजा गया है। उसके बाद जनता के मन में विपक्षी दलों के प्रति मत सहानुभूति देखने को मिल रही है। विपक्षी दलों की रैली और जनसभाओं में भारी संख्या में लोग जुट रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जब हिंदी भाषी राज्यों में चुनाव प्रचार करने के लिए पहुंच रहे हैं। वहां पर उनका भारी विरोध हो रहा है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर आम मतदाताओं के मन में वह विश्वास नहीं रहा, जो होना चाहिए था। जिसके कारण इस बार मतदान का प्रतिशत भी पूर्व के दो चुनाव की तुलना में काफी कम हुआ है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की खंडपीठ, आदर्श आचार संहिता एवं चुनाव आयोग द्वारा चार चरणों के चुनाव में हुए मतदान की जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध नहीं कराने, वीवीपेट से निकलने वाली 100 फ़ीसदी पर्चियों की गिनती की मांग को लेकर जो याचिकाएं हैं, उनकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होने जा रही है। 20 मई को पांचवें चरण का मतदान होने जा रहा है। इसमें कई हाई-प्रोफाइल नेताओं की साख दांव में लगी हुई है। चुनाव प्रचार के दौरान जमीनी हकीकत विपरीत होते हुए भारतीय जनता पार्टी ने जो 400 पार का नारा दिया है, उसके कारण भाजपा के साथ-साथ चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वीवीपेट की मशीनों, मतदान के आंकड़ों को जारी नहीं करने से मतदाताओं का अविश्वास बढ़ता जा रहा है। पिछले कई महीनो से विपक्षी दलों के ऊपर सरकार ने जिस तरीके की कार्रवाई की है। विपक्षी दलों के नेताओं को जेल भेजा है। उनके घरों में छापे डाले गए हैं। इसका असर इस चुनाव में होता हुआ दिख रहा है।

जनवरी-मार्च में नायरा एनर्जी की पेट्रोल बिक्री 48 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने 2024 के वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पेट्रोल की बिक्री में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। वहीं इस दौरान कंपनी के निर्यात में गिरावट आई है। तिमाही के दौरान कंपनी ने विशेष रूप से ईंधन की स्थानीय मांग को पूरा करने का प्रयास किया है। कंपनी के बयान में कहा गया है कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसने अपनी गुजरात की वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित सभी पेट्रोलियम उत्पादों का 70 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा। बयान में कहा गया है कि नायरा एनर्जी ने मुख्य रूप से देश में बढ़ती पेट्रोलियम उत्पादों की मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। कंपनी ने कहा कि भारत में, भारत के लिए के अपने संदेश से प्रेरित होकर उसने सालाना आधार पर घरेलू खुदरा बिक्री में 24 प्रतिशत और संस्थागत बिक्री में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, कंपनी ने इसका अधिक ब्योरा नहीं दिया है। पहली तिमाही में स्थानीय स्तर पर पेट्रोल की बिक्री बढ़कर 8.9 लाख टन हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में छह लाख टन रही थी। इस दौरान कंपनी की डीजल बिक्री 17 लाख टन पर स्थिर रही। देशभर में नायरा एनर्जी के 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप हैं। यह निजी क्षेत्र की किसी कंपनी का सबसे बड़ा खुदरा नेटवर्क है।

मुंबई में 47वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट 97.4 करोड़ में बिका

मुंबई । मुंबई के पॉश इलाके वर्ली में 47वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट 97.4 करोड़ रुपये में बिका है। वर्ली को मुंबई का सबसे महंगा इलाका माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फ्लैट को डायमंड कंपनी किरन जेम्स के प्रमोटर माव्जीभाई श्यामजीभाई पटेल ने खरीदा है। यह फ्लैट ओबेरॉय 360 वेस्ट प्रोजेक्ट में 47वें फ्लोर पर है। इसका एरिया 14,911 स्क्वायर फीट है। इसमें 884 स्क्वायर फीट का अतिरिक्त स्पेस है जिसे बढ़ाया जा सकता है। दस्तावेजों के मुताबिक यह फ्लैट ओएसिस रियल्टी पार्टनर स्काईलार्क बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने बेचा है। इस फ्लैट के साथ नौ कार पार्किंग स्लॉट्स हैं। इसकी सेल डीड 29 अप्रैल को साइन हुई और पटेल ने इस ट्रांजैक्शन पर 5.8 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई। इस प्रोजेक्ट में चार और पांच बेडरूम के फ्लैट हैं। प्रोजेक्ट में दो टावर हैं जिनमें से एक में होटेल है और दूसरे में लग्जरी फ्लैट्स हैं। इस प्रोजेक्ट से अरब सागर का शानदार नजारा दिखता है। इसकी ऊंचाई 360 मीटर है और इसके सभी अपार्टमेंट्स वेस्ट फेसिंग हैं। इसी कारण इसका नाम 360 वेस्ट रखा गया है। देश में अब लग्जरी फ्लैट्स की बिक्री में काफी तेजी देखी जा रही है। प्रॉपर्टी कंसल्टैंट फर्म एनरॉक की हाल में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में लग्जरी और प्रीमियम मकानों की मांग में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

20 मई को बंद रहेगा शेयर बाजार

- सोमवार को मुंबई में लोकसभा चुनाव के चलते ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा

मुंबई । लोकसभा चुनाव के चलते सोमवार 20 मई घरेलू शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। एनएसई ने कहा कि मुंबई में 20 मई को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के सेक्शन 25 के तहत चुनावों में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इलेक्शन कमिशन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव पांच फेज में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई और 20 मई को होंगे। स्टॉक एक्सचेंज एनएसई और बीएसई ने 8 अप्रैल को मुंबई में 20 मई को वोटिंग के चलते शेयर बाजार की छुट्ट् टी का ऐलान किया था। एनएसई ने सर्कुलर में कहा था कि सोमवार, 20 मई को मुंबई में संसदीय चुनावों के कारण ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। सर्कुलर के मुताबिक इस दिन इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग और बॉरोइंग सेगमेंट में भी कोई कारोबार नहीं होगा। 20 मई को धुले, डिंडोरी, नासिक, भिवंडी, कल्याण, ठाणे, मुंबई नॉर्थ, मुंबई नॉर्थ वेस्ट, मुंबई नॉर्थ ईस्ट, मुंबई साउथ, मुंबई साउथ सेंट्रल, मुंबई नॉर्थ सेंट्रल और पालघर लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं वोटों की काउंटिंग की तारीख 4 जून तय की गई है।

भारत का योगदान ग्लोबल जीडीपी में 30 फीसदी होगा: नीति आयोग के पूर्व सीईओ

नई दिल्ली ।

जी-20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि 2035-2040 के बीच वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 30 प्रतिशत तक होने की संभावना है। नई दिल्ली में आयोजित एक बिजनेस समिट में कांत ने कहा कि ढांचागत सुधारों ने देश को कमजोर 5 से शीर्ष 5 में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रों में हुए भारी सुधारों के कारण पिछली तीन तिमाहियों में लगभग 8.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। कांत ने वैश्वीकरण का भविष्य- भारतीय उद्योग के लिए चुनौतियां विषय पर अपने संबोधन में कहा, 2027 तक हम जर्मनी और जापान से आगे निकल जाएंगे। विश्लेषकों का यह कहना सही है कि 2035-2040 के बीच वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगादान 30 प्रतिशत तक हो जाएगा। कांत ने विकास में तेजी लाने के लिए भारतीय उद्योग जगत से राज्यों के साथ तालमेल बनाकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा कर 12-13 राज्य प्रति वर्ष 10-11 प्रतिशत की दर से विकास कर सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एसएंडपी की ग्लोबल रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अगले तीन वर्षों में दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र ने भी 2024 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.9 प्रतिशत कर दिया है। इसके पहले जनवरी में 6.2 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। अभी भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। उससे आगे अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान है। माना जा रहा है कि 2030 तक जापान और जर्मनी से भारत आगे निकल जाएगा।

भारत में निवेश को लेकर टेस्ला ने नहीं बताई कोई योजना

नई दिल्ली । अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला चुप है। उसने अभी तक नई ईवी नीति के तहत अपनी भारत की योजनाओं के बारे में सरकार को नहीं बताया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी अरबपति कारोबारी एलन मस्क 21-22 अप्रैल को भारत का दौरा करने वाले थे। हालांकि, उन्होंने भारी टेस्ला दायित्वों का हवाला देकर आखिरी समय में अपनी यात्रा स्थगित कर दी थी। इलेक्ट्रिक कार मैन्- यूफैक्चरिंग टेस्ला के सीईओ मस्क यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले थे। यह पूछने पर कि क्या कंपनी ने अपनी योजनाओं के बारे में सरकार को बताया है, अधिकारी ने कहा` कि टेस्ला चुप हैं... (ईवी) नीति हमेशा सभी के लिए थी। अधिकारी ने कहा कि वाणिज्यिक फैसलों की घोषणा कंपनियां करती हैं। इस संबंध में टेस्ला को ई-मेल से भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं आया। इसके पहले अप्रैल में एलन मस्‍ क ने सोशल मीडिया प्‍ लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भारत यात्रा की पुष्टि करते हुए लिखा था, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। पिछले साल जून में मस्क ने मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की थी।

कामत ने चुनौतियों का सामना कर खड़ी की 400 करोड़ की कंपनी

- जुहू में एक छोटी सी दुकान से शुरू किया था कारोबार

मुंबई । नैचुरल्स आइसक्रीम के संस्थापक रघुनंदन श्रीनिवास कामत का पिछले दिनों 17 मई को 70 साल की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के एक अस्पताल में अपनी आखिरी सांसें ली। उनकी पत्नी और 2 बेटे हैं। कर्नाटक के मंगलुरु इलाके से आने वाले कामत ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए देश को नैचुरल्स आइसक्रीम जैसा ब्रांड खड़ा किया। खबरों के अनुसार आज उनका बिजनेस 400 करोड़ रुपये का है। कामत के 6 भाई बहन थे। उनके पिता एक फ्रूट ट्रेडर थे। उन्होंने बचपन से ही अपने पिता के काम में हाथ बंटाया। इससे उन्हें फलों के बारे में काफी जानकारी प्राप्त हुई। वह 14 साल की उम्र में अपने गांव से निकलकर मुंबई आ गए। यहां उन्होंने अपने भाई के छोटे से रेस्टोरेंट में काम शुरू किया। रघुनंदन ने शुरुआत में 12 आइसक्रीम के फ्लेवर बेचना शुरू किए। उन्होंने अपनी आइसक्रीम लोगों के बीच पहुंचाने के लिए एक स्ट्रेटजी का इस्तेमाल किया। उन्होंने मेन कोर्स पाव भाजी के साथ कॉम्प्लीमेंट्री डेजर्ट (मीठा) में आइसक्रीम देना शुरू किया। उनका आइडिया हिट रहा। लोगों को आइसक्रीम पसंद आने लगी। वह जुहू में एक छोटी सी दुकान चला रहे थे। इस दुकान ने पहले साल में 5 लाख रुपये की सेल की। इसमें आइसक्रीम का योगदान बड़ा रहा। इसके बाद रघुनंदन ने अपना पूरा फोकस की आइसक्रीम पर शिफ्ट कर दिया। उन्होंने आइसक्रीम की क्वालिटी को और बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव किए। धीरे-धीरे नैचुरल्स एक स्टोर से बढ़ते हुए 2020 तक देशभर में 135 लोकेशन पर फैल गया। बिना किसी प्रेजरवेटिव व नैचुरल फ्लेवर्स से तैयार आइसक्रीम ने बड़ी-बड़ी कंपनियों को आइना दिखाना शुरू कर दिया। वित्त वर्ष 2020 में कंपनी का रेवेन्यू 400 करोड़ रुपये पार कर गया।

वैश्विक रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी

शेयर बाजार की दिशा

- निवेशकों की निगाह रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी

मुंबई ।

बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजे, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजार का रुख तय करेंगी। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा। विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा आम चुनाव की वजह से निवेशक अभी सतर्क रुख अपना सकते हैं। मुंबई में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के कारण सोमवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने वाला है। कंपनियों के बेहतर नतीजे असमंजस में फंसे बाजार को कुछ राहत प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल का सोमवार को संबोधन है। इससे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान और अमेरिका के आर्थिक आंकड़े तथा वैश्विक मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, सेल, बीएचईएल, जेके टायर, वन97 कम्युनिकेशंस, पावर ग्रिड, इंटरग्लोब एविएशन, आईटीसी और एनटीपीसी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत में पीएमआई विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का आंकड़ा आना है। इसके अलावा ब्रिटेन के मुद्रास्फीति, अमेरिका के बेरोजगारी दावे, एसएंडपी के वैश्विक सेवा और वैश्विक विनिर्माण आंकड़े आने हैं। साथ ही घरेलू मोर्चे पर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे घोषित किए जाएंगे।

इसके अलावा निवेशकों की निगाह रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि अगले कुछ सप्ताह में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कुछ बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में चुनिंदा लिवाली जारी रहेगी। चुनावी नतीजों और तिमाही आय को लेकर अनिश्चितताओं के बीच निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। पिछले सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1252.56 अंक अर्थात 1.7 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 73917.03 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 410.9 अंक यानी 1.9 प्रतिशत उछलकर 22466.10 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 1813.35 अंक अर्थात 4.42 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 42841.10 अंक और स्मॉलकैप 2194.68 अंक यानी 4.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 47591.67 अंक हो गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई ने प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच करने को 18 मई को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र का आयोजन किया।

स्कॉर्पिओ के विभिन्न मॉडल्स की कीमतें 10 से 25 हजार बढ़ी

- एसयूवी की कीमत 13.85 लाख से शुरू होकर 24.54 लाख रुपए तक

मुंबई ।

देश की वाहन बनाने वाली कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इस महीने अपनी गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है और अब स्कॉर्पियो-एन की कीमतों में हुआ बदलाव` दिखाई दे रहा है। इस एसयूवी के पेट्रोल और डीजल के सभी जेड 2 और जेड 4 वेरिएंट के साथ जेड 6 डीजल वर्जन पर 25,000 रुपये बढ़ाए गए हैं। दूसरी तरफ महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन का पेट्रोल और डीजल पावरट्रेन से लैस जे 8 2डब्ल्यूडी वर्जन 10,000 रुपये महंगा हो गया है। फरवरी में भी एसयूवी पर 1 लाख रुपये तक बढ़ाए गए थे। स्कॉर्पियो-एन में सिग्नेचर डबल बैरल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, लंबे स्टैक्ड एलईडी टेललैंप, शार्क-फिन एंटीना के साथ स्पोर्टी लुक में आती है। केबिन में ड्यूल-टोन डैशबोर्ड, प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री, वर्टिकल एसी वेंट, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और एक मल्टीफंक्शनल स्टीयरिंग व्हील दिया गया है। इसके अलावा सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एक 3डी सोनी साउंड सिस्टम और मनोरंजन के लिए 8.0-इंच का इंफोटेनमेंट पैनल उपलब्ध है, जो अमेजन एलेक्सा को भी सपोर्ट करता है। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन में 2-लीटर, टर्बो-पेट्रोल इंजन और 2.2-लीटर, डीजल इंजन का विकल्प मिलता है। दोनों को 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ पेश किया गया है। कुछ वेरिएंट में शक्तिशाली डीजल इंजन के साथ

4डब्ल्यूडी (4-व्हील-ड्राइव) पावरट्रेन का विकल्प भी है। यह गाड़ी 6 वेरिएंट्स- जेड 2, जेड 4, जेड 6, जेड 8, जेड 8एस और जेड 8एल में आती है। अब इस एसयूवी की कीमत 13.85 लाख रुपये से शुरू होकर 24.54 लाख रुपये तक जाती है।

माइकल डेल दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर

- मुकेश अंबानी एक पायदान नीचे खिसक कर 12वें नंबर पर

मुंबई । भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी हाल में दुनिया के अमीरों की सूची में एक पायदान नीचे खिसक गए। उनसे आगे निकलने वाले माइकल डेल अमेरिका के अरबपति डेल कंप्यूटर प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और सीईओ हैं। इस कंपनी में उनकी आधी हिस्सेदारी है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक डेल की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 34.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर हैं जबकि भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी उनसे एक स्थान नीचे 12वें नंबर पर हैं। अंबानी की नेटवर्थ 110 अरब डॉलर है। बताया जाता है कि 1965 में ह्यूस्टन में जन्मे डेल का सपना डॉक्टर बनने का था। उन्होंने साल 1983 में ऑस्टिन में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस में एडमिशन लिया। लेकिन जल्दी ही इससे उनका मन ऊब गया। उन्होंने 1,000 डॉलर से अपना स्टार्टअप शुरू किया। डेल अपने हॉस्टल रूम में ही कंप्यूटर एसेंबल करने लगे। इस तरह उन्होंने अपग्रेडेड पर्सनल कंप्यूटर और कंपोनेंट्स बेचने का काम शुरू किया। 1984 में उन्होंने कंपनी का नाम डेल कंप्यूटर रखा और कॉलेज छोड़ दिया। साल 1988 में वह आईपीओ लेकर आई और इस तरह नैसडैक पर डेल के शेयरों की खरीद-फरोख्त शुरू हो गई।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की पाइपलाइन तक जाना चाहती है रिलायंस

- देश के कुल विमान ईंधन उत्पादन में 25 प्रतिशत है रिलायंस की हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा कि वह सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की पाइपलाइन और भंडारण (स्टोरेज) तक पहुंचना चो हती है। इन पाइपलाइन और स्टोरेज का निर्माण सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने पिछले कई साल में किया है। इनका उपयोग वे डिपो और तेल रिफाइनरी से हवाई अड्डों तक विमान ईंधन की आपूर्ति के लिए करती हैं। रिलायंस इन सुविधाओं तक पहुंच से एशिया के कुछ व्यस्त हवाई अड्डों पर ईंधन कारोबार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करना चाहती है। देश के कुल विमान ईंधन (एटीएफ) उत्पादन में रिलायंस की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। रिलायंस दिल्ली हवाई अड्डे के बाहर के स्टोरेज डिपो के अलावा मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद हवाई अड्डों तक जाने वाली पाइपलाइन तक पहुंच चाहती है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा की जाने वाली एटीएफ आपूर्ति की तुलना में फिलहाल रिलायंस की हिस्सेदारी काफी कम है। पेट्रोलियम क्षेत्र के नियामक भारतीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने पाइपलाइन द्वारा सभी मौजूदा और भविष्य के हवाई अड्डों पर एटीएफ की आपूर्ति के बारे में नियमों के मसौदे पर टिप्पणियां मांगी है। नियामक ने कहा है कि प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और ईंधन की लागत को कम करने के लिए सभी आपूर्तिकर्ताओं को आपूर्ति के लिए इन पाइपलाइन तक पहुंच मिलनी चाहिए। पीएनजीआरबी के मसौदे पर रिलायंस ने यह सुझाव दिया है। हालांकि, देश का ईंधन बाजार मुक्त है लेकिन देश के व्यस्त हवाई अड्डों पर एटीएफ की आपूर्ति दशकों से सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) द्वारा बनाई गई पाइपलाइन से की जाती है। रिलायंस जो एक दशक से अधिक समय से विशेष रूप से मुंबई के हवाई अड्डों पर एटीएफ की आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन तक पहुंच की मांग कर रही है।

आईडीएफसी लिमिटेड का आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में होगा विलय

नई दिल्ली ।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ बैंक के विलय को मंजूरी दे दी है। बैंक ने कहा है कि नेशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल की चेन्नई बेंच के द्वारा बुलाई गई बैठक में मेजोरिटी शेयर होल्डर्स ने ये मंजूरी दी है। बैंक के बोर्ड ने एनसीएलटी को विलय के प्रस्ताव पर मतदान के नतीजे से सूचित किया। उन्होंने बताया कि विलय योजना के पक्ष में 99.95 वोट पड़े थे। जल्द ही इस पर एनसीएलटी की भी हरी झंडी मिलने के आसार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसीएलटी भी दोनों के विलय को जल्द ही हरी झंडी दिखा सकता है। इससे पहले पिछले साल 27 दिसंबर को आईडीएफसी लिमिटेड ने कहा था कि आरबीआई ले आईडीएफसी लिमिटेड, आईडीएफसी एफएचसीएल और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के विलय के लिए एनओसी दे दी है। वहीं पिछले साल जुलाई 2023 में आईडीएफसी एफएचसीएल, आईडीएफसी और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस विलय को हरी झंडी दिखाई थी। शनिवार के विशेष सत्र में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के स्टॉक में बढ़त देखने को मिली है और स्टॉक 0.25 फीसदी बढ़कर 77.45 के स्तर पर बंद हुआ था। एक साल पहले स्टॉक 67 के स्तर से नीचे था। हालांकि पिछले साल सितंबर में स्टॉक 100 के स्तर के करीब पहुंच गया था। दिसंबर 2023 में रिजर्व बैंक

ने आईडीएफसी और उसकी बैंकिंग सब्सिडियरी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिवर्स मर्जर को मंजूरी दी थी। वहीं आईडीएफसी फाइनेंशियल होल्डिंग कंपनी लिमिटेड, आईडीएफसी लिमिटेड और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने मर्जर को जुलाई में मंजूरी दे दी थी।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.47 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में एलआईसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं

मुंबई । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,47,935.19 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का मूल्यांकन 40,163.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,16,212.90 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 36,467.26 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 19,41,110.70 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 26,492.61 करोड़ रुपये बढ़कर 7,64,917.29 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 21,136.71 करोड़ रुपये बढ़कर 11,14,163.29 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,570.68 करोड़ रुपये बढ़कर 7,94,404.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 7,815.51 करोड़

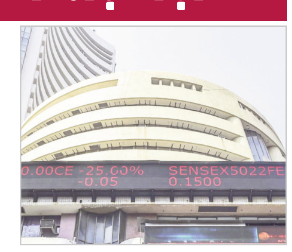

रुपये बढ़कर 5,99,376.39 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 4,057.54 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,895.67 करोड़ रुपये हो गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 2,231.15 करोड़ रुपये बढ़कर 7,32,576.77 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के` विपरीत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 16,588.94 करोड़ रुपये घटकर 13,92,963.69 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में 6,978.29 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,46,843.87 करोड़ रुपये पर आ गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

नई सरकार बनने के बाद एफडीआई मानदंडों में मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

देश में नई सरकार बनने के बाद कई सेक्टर्स में एफडीआई नियमों को उदार बनाया जा सकता है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भारत ने हाल ही में अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में ढील दी है और इस बात की संभावना है कि नई सरकार के सत्ता में आने पर कुछ अन्य क्षेत्रों में एफडीआई मानदंडों में राहत दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने कई क्षेत्रों में एफडीआई नीति को उदार बनाया है। भारत की नीतियां दुनिया में सबसे उदार एफडीआई नीतियों में से एक हैं और वास्तव में यह कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में अधिक उदार है। सिंह ने सीआईआई के हाल ही में आयो जित वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि हाल ही में अंतरिक्ष क्षेत्र में एफडीआई मानदंडों को आसान बनाया गया था और इस बात की बहुत संभावना है कि नई सरकार के तहत, हम जो भी क्षेत्र बचे हैं और जहां कुछ उदारीकरण संभव है, वहां इसके लिए प्रयास कर सकते हैं।

देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं और मतगणना चार जून को होनी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2023 में भारत में एफडीआई 13 प्रतिशत घटकर 32.03 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। ऐसा मुख्य रूप से कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, ऑटो और दवा क्षेत्रों में कम निवेश के कारण हुआ।

सनराइजर्स हैदराबाद ने 4 विकेट से जीता मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 69वें मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज की। पंजाब किंग्स की तरफ से कप्तानी करने वाले जितेश शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 45 गेंद में 71 रन की पारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट के नुकसान पर 215 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में टीम ने शुरूआत में ही आक्रामक रूख अपनाया जो अंत में थोड़ा धीमा हुआ लेकिन टीम पांच विकेट रहते जीत दर्ज करने में कामयाब रही। इसी के साथ ही हैदराबाद अब टॉप 2 में आ गई है।

प्रभसिमरन ने अपनी आक्रामक पारी में सात चौके और चार छक्के जड़ने के अलावा पहले विकेट के लिए अथर्व तायडे के साथ 55 गेंद में 97 और दूसरे विकेट के लिए रिली रोसेयु के साथ 32 गेंद में 54 रन की साझेदारी की। तायडे और रोसेयु दोनों अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए। तायडे ने 27 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 46 तो वही रोसेयु ने 24 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 49 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। कार्यवाहक कप्तान सैम कुरेन के इंग्लैंड लौटने के कारण टीम की अगुवाई कर रहे जितेश शर्मा ने आखिरी ओवरों में 15 गेंद में नाबाद 32 रन बनाकर टीम के स्कोर को 214 रन तक पहुंचाया। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिये। कप्तान पैट कमिंस और विजयकांत व्यासकांत को एक-एक सफलता मिली।

सात्विक-चिराग ने थाईलैंड ओपन का खिताब जीता, चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराया

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराकर थाईलैंड ओपन बैडमिंटन पुरूष युगल खिताब जीत लिया। पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 29वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर 21.15, 21.15 से जीत दर्ज की।

एशियाई खेलों की चैम्पियन जोड़ी का यह सत्र का दूसरा खिताब है। उन्होंने मार्च में फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब जीता था। दोनों मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रहे थे। चिराग ने जीत के बाद कहा, 'बैंकॉक हमारे लिए खास है। हमने 2019 में यहां पहली बार सुपर सीरिज और फिर थॉमस कप जीता था।'

सात्विक और चिराग आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दूसरे दौर में हार गए थे। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण एशियाई चैम्पियनशिप नहीं खेल सके। थॉमस कप में भी वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए।

ये दिग्गज खिलाडी कभी नहीं जीत पाए टी20 वर्ल्ड कप

-1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का खेला जाएगा 9वां संस्करण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज हम आपको 5 ऐसे दिग्गज खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल तो जीता लेकिन टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उनके हाथ नहीं लगी। ब्रेंडन मैकुलम की गिनती टी20 क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाज के रूप में होती है। वह टी20 इंटरनेशनल में एक हजार और दो हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज थे। इसके बाद भी कभी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। वहीं 2012 में आईपीएल जीतने वाले केकेआर टीम में वह थे। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने 2008 में राजस्थान रॉयल्स के साथ आईपीएल का खिताब जीता था। वह चेन्नई के साथ भी लीग जीत चुके हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलते हुए वह टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ भी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। उनकी कप्तानी में टीम ने का प्रदर्शन दमदार रहा लेकिन वह कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाई। हालांकि राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए स्मिथ ने आईपीएल जीता था। मुथैया मुरलीधरन ने पहले तीन टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। 2009 में उनकी टीम फाइनल में पाकिस्तान से हार गई। वहीं आईपीएल में वह 2010 में चैंपियन बनने वाली चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे। सुरेश रैना 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उसके बाद 2009 से 2016 तक सभी टूर्नामेंट में वह टीम में थे लेकिन भारत को किसी में जीत नहीं मिली। रैना को मिस्टर आईपीएल कहा जाता है और वह 2010, 2011, 2018 और 2021 में विजेता बनने वाली चेन्नई का हिस्सा थे। बता दें कि 2007 में पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला गया था। उसके एक साल बाद 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग मानी जाती है। वहीं वर्ल्ड कप इंटरनेशनल टी20 का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। हर खिलाड़ी दोनों को जीतने का सपना दिखता है। अभी आईपीएल का 17वां सीजन चल रहा है। वहीं 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का 9वां संस्करण खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में

हैदराबाद (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले महीने 2 जून से टी2 वर्ल्ड कप का नौवां एडिशन वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होगा। टी20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 24 मई को भारतीय टीम का पहला जत्था विश्व कप के लिए उड़ान भरेगा। जो टीमें आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची हैं, उनमें शामिल वर्ल्ड कप के लिए भारतीय खिलाड़ी बाद में जाएंगे।

भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में विश्व कप खेलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों दिग्गजों का यह आखिरी टी20 विश्व कप हो सकता है। ऐसे में दोनों इस विश्व कप को अपने धमाकेदार प्रदर्शन से यादगार बनाना चाहेंगे। टी20 विश्व कप में सुरेश रैना इकलौते भारतीय हैं जिनके बल्ले से शतक आया है। विराट और रोहित के पास रैना के इस खास क्लब में शामिल होने का सुनहरा मौका है। सुरेश रैना ने 2010 टी20 वर्ल्ड कप में शानदार सैकड़ा जड़ा था। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ शतक ठोका था। उस एडिशन में दो बल्लेबाजों ने शतक जमाए थे। रैना के अलावा श्रीलंका के दिग्गज माहेला जयवर्धने ने भी एक शतकीय पारी खेली थी। रैना ने 60 गेंदों पर 9 चौकों और 5 छक्कों की मदद से शतक ठोका था। ग्रोस आइलेट में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 14 रन से विजयी रही थी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अभी तक 11 शतक लग चुके हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2007 में की गई थी।

टी20 विश्व कप के पहले एडिशन में सिर्फ एक शतक विंडीज के धुरंधर क्रिस गेल ने लगाया था। आईसीसी के इस मेगा टूर्नामेंट में गेल के नाम सर्वाधिक 2 शतक जड़ने का रिकॉर्ड है जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाज ये कारनामा कर चुके हैं। टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम के नाम है। मैकुलम ने 72 गेंदों पर 123 रन की पारी खेल चुके हैं। विराट कोहली का टी20 विश्व कप में सर्वोच्च स्कोर नाबाद 89 रन है। वह 27 मैचों में सर्वाधिक 1141 रन बना चुके हैं। उनके नाम 14 अर्धशतक दर्ज हैं वहीं रोहित शर्मा का टी20 विश्व कप में सर्वोच्च निजी स्कोर 79 रन रहा है।

मैंने सबसे कठिन पिच पर बल्लेबाजी की : डुप्लेसी

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने प्लेऑफ में पहुंचने के बाद कहा कि यहां की पिच टेस्ट मैच की तरह बर्ताव कर रही थी और उसपर 200 से अधिक रन बनाना कठिन नजर आ रहा था। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 200 से अधिक रन बनाना बेहद कठिन था। इसके अलावा यश दयाल ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की। मैच में जीत से उत्साहित डुप्लेसी ने कहा, 'मैंने बारिश के बाद अब तक सबसे कठिन पिच पर यहीं बल्लेबाजी की है। यह इतनी कठिन लग रही थी कि 150 रन बनाना भी कठिन लग रहा था। यह पिच टेस्ट की तरह व्यवहार कर रही थी जिसपर 200 से अधिक रन बनान कठिन था। उन्होंने कहा, 'जब हम हार रहे थे तब भी प्रशंसकों का समर्थन हमको मिल रहा था। जिस तरह का समर्थन हमें मिला इसके लिए हम प्रशंसकों के आभारी हैं।

भारतीय टीम का कोच बनना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक भी, ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर ने एक सवाल के जवाब में कही यह बात

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के कोच बनने पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत का कोच बनना क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है और अगर समय सही नहीं हो तो यह थकाऊ काम भी हो सकता है। आईपीएल सीजन में लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच रहे लैंगर से कई बारे में पूछा गया कि क्या वह भारत का कोच बनने के इच्छुक हैं चूंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। लैंगर ने कहा कि यह क्रिकेट का सबसे बड़ा काम है, भारतीय टीम का मुख्य कोच बनना। उन्होंने कहा कि एक तो इतना ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है और दूसरा अपेक्षाओं का दबाव। यह काफी चुनौतीपूर्ण है लेकिन रोमांचक भी होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सही समय की जरूरत है। मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के साथ करीब चार रहा। ये काफी थकाऊ काम है। उन्हेंने कहा कि मेरा मानना है कि राहुल द्रविड़ भी यही कहेंगे और रवि शास्त्री भी यही कहेंगे। भारतीय टीम पर जीतने का दबाव बहुत ज्यादा है। उम्मीद है कि जो भी अगला कोच होगा, वह इसे लेकर काफी रोमांचित होगा। लैंगर ने आईपीएल के दबाव की तुलना विश्व कप से करते हुए कहा कि यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ घरेलू लीग है। उन्होंने कहा इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इतने अच्छे खिलाड़ी और टीमें हैं। प्रदर्शन का भारी दबाव रहता है। यह विश्व कप की तरह ही है और दबाव भी वैसा ही रहता है। मुझे आईपीएल इतना पसंद है कि अब घर जाते हुए बुरा लग रहा है।

आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचाने में रजत की अहम भूमिका : हरभजन

बेंगलुरु। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को प्लेऑफ में पहुंचाने में रजत पाटीदार का योगदान भी अहम है हालांकि उन्हें इसका श्रेय नहीं मिला है। हरभजन के अनुसार सीएसके के खिलाफ अहम लीग मुकाबले में रजत ने अपनी आक्रामक पारी से मैच बदल दिया था। वहीं आरसीबी सत्र के अपने पहले सात मैचों में केवल एक जीत के बाद प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही थी। इस मैच में विराट के आउट होने के बाद पाटीदार आए और उन्होंने स्पिनरों की सहायक पिच पर सतह केवल 23 गेंदों पर ही 41 रन बना दिये। पाटीदार ने अपनी पारी में चार छक्के और दो चौके लगाये। हरभजन ने कहा, कोहली और फाफ डूप्लेसी ने जब गेंद बहुत घूम रही थी पर मुझे लगता है कि पाटीदार के तेजी से रन बनाने से गेंदबाजों पर दबाव आया।।इस मैच में सीएसके की ओर से महेन्द्र सिंह धोनी ने 110 मीटर का छक्का लगाकर पूरा स्टेडियम का रूख अपने तरफ कर दिया पर यश दयाल ने धैर्य बनाए रखा और धोनी को आउट करके आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचा दिया। उन्होंने चार गेंदों में केवल एक रन दिया और आरसीबी को 27 रन से जीत दिलाई। हरभजन ने कहा, यश दयाल सुपरहीरो बन गए, धोनी का विकेट लेने के बाद उन्होंने चार गेंदों में केवल एक रन दिया जो हैरान करने वाला प्रदर्शन था।

टी20 विश्व कप में 'इम्पैक्ट प्लयेर' नियम का नहीं होना अंतर पैदा करेगा: शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई। शिखर धवन का मानना है कि इस साल क्रिकेट में काफी बदलाव आया है लेकिन उन्हें लगता है कि आगामी टी20 विश्व कप में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तरह बड़े स्कोर देखने को नहीं मिलेंगे क्योंकि इसमें 'इम्पैक्ट प्लेयर' का विकल्प उपलब्धनहीं होगा। 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के अंतर्गत टीमों को एक अतिरिक्त बल्लेबाज या एक गेंदबाज खिलाने का मौका मिल जाता है और माना जा रहा है कि इसी के कारण इस आईपीएल में रिकॉर्ड स्कोर की संख्या बढ़ गयी। इससे आईपीएल में आठ बार 250 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया गया। गेंदबाजों की परेशानी ने बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने की बहस फिर से शुरू कर दी क्योंकि इस नियम की वजह से आईपीएल में विकेट और परिस्थितियां आम तौर पर बल्लेबाजों के पक्ष में होती हैं।

धवन ने पीटीआई से कहा, ''मुझे लगता है इस साल खेल काफी बदल गया है और यही वजह है कि 250 रन का स्कोर बन रहा था। मानसिकता निश्चित रूप से बदल गई है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन जब आप विश्व कप में खेलोगे तो इसमें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं होगा और इसका असर निश्चित रूप से दिखेगा। इससे अंतर पैदा होगा और सबसे अहम यही होगा कि हम परिस्थितियों से तालमेल कैसे बिठाते हैं।'' धवन ने 'जियो सिनेमा' पर टीवी शो 'धवन करेंगे' में कहा, ''इम्पैक्ट प्लेयर नियम आने के आने के बाद सोच बदल गई है। मध्यक्रम के बल्लेबाज को पता होता है कि आठवें और नौवें नंबर तक बल्लेबाजी होगी तो वे आक्रामक रूख अख्तियार करते हैं। इसी वजह से इतने बड़े स्कोर बने।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का यूरोप दौरे में पहला मुकाबला बेल्जियम से होगा

बेंगलुरु। कप्तान ज्योति सिंह के नेतृत्व में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपने यूरोप दौरे की शुरुआत 21 मई से करेगी। इस दौरान भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का मुकाबला बेल्जियम, ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश, जर्मनी और ओरांजे रूड से होगा। इसके बाद भारतीय टीम 22 मई को ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी। भारतीय टीम 24 मई को बेल्जियम से एंटवर्प जबकि 26 मई को जर्मनी से ब्रेडा में खेलेगी। इसके बाद टीम 27 मई को फिर से जर्मनी जाएगी और 29 मई को ब्रेडा में ओरांजे रूड के साथ मुकाबले से अपने युरोप दौरे का समापन करेगी। दौरे पर रवाना होने से पहले कप्तान ज्योति ने कहा, टीम पूरे यूरोप की यात्रा करने और कुछ प्रमुख यूरोपीय युवा हॉकी क्लबों के साथ-साथ कुछ सबसे कठिन अंतरराष्ट्रीय युवा टीमों का सामना करने के लिए उत्साहित है। साथ ही कहा कि इस दौरे से हमें काफी अनुभव मिलेगा। इससे हम खेले में अपने बेहतर और कमजोर पक्ष को समझ सकेंगे। हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं पो विरोध टीमों के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। वहीं कप्तान रोहित के नेतृत्व में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 20 मई को एंटवर्प में अपना पहला मुकाबला बेल्जियम से खेलेगी। वहीं रिवर्स मैच 22 मई को खेला जाएगा और उसके बाद 23 मई को ब्रेडा में ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ मैच खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम अपने दौरे की समाप्ति पर 28 मई को मोनचेंग्लादबाक में और 29 मई को ब्रेडा में जर्मनी से खेलेगी। कप्तान रोहित ने कहा कि इस यूरोप दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

आरसीबी इस सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाने वाली टीम बनी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ प्लेऑफ के अहम मुकाबले में जीत के दौरान ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। आरसीबी ने सीएसके के खिलाफ 20 ओवरों में पांच विकेट पर 218 रन बनाये। इस प्रकार आरसीबी ने सत्र में छठी बार 200 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के इस सत्र में छह बार 200 से अधिक रन बनाने के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। मैच में आरसीबी ने पहले खेलते हुए 16 छक्के लगाए इससे उनके छक्कों की संख्या बढ़कर 157 पहुंच गयी। इस प्रकार आरसीबी किसी टी20 टूर्नामेंट के एकल संस्करण में 150 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद ने इस सत्र में 146 छक्के लगाये हैं। सीएसके के खिलाफ विराट भले ही अर्धशतक नहीं लगा पाये पर अपनी 47 रन की पारी खेलकर वह सत्र में 708 रन पर पहुंचकर ऑरेंज केप के सबसे प्रबल दावेदार बने हैं। आईपीएल इतिहास में अब क्रिस गेल के साथ विराट कोहली ही दो सीजन में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर हैं। यही नहीं विराट कोहली सत्र में सबसे ज्यादा 37 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

दीक्षा सहित तीन भारतीय महिला गोल्फरों को जर्मन मास्टर्स में कट मिला

ब्रेंडेनबर्ग। भारत की तीन महिला खिलाड़ी प्रणवी उर्स, दीक्षा डागर और त्वेसा मलिक शानदार प्रदर्शन के साथ ही अमुंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ के कट में पहुंच गयी हैं। इस मैच में प्रणवी और दीक्षा ने दूसरे दौर में एक-ओवर 73 का कार्ड खेला। इस दौरान 2 दौर के खेल के बाद दोनों खिलाड़ी तीन ओवर के एक समान स्कोर के साथ ही संयुक्त 30वें स्थान पर पहुंच गयीं। त्वेसा 77 के साथ ही पांच ओवर के स्कोर से कट में जगह बनाने में सफल रही। वहीं इस टूर्नामेंट में भाग ले रही 4 अन्य भारतीयों में से स्नेहा सिंह 75 एक शॉट से, वाणी कपूर 77 तीन शॉट से और अमनदीप द्राल 78 5 शॉट से कट में जगह नहीं बना पायी।

धोनी सीएसके परिवार का हिस्सा या मेंटोर नहीं रहेंगे तो मुझे आश्चर्य होगा: मैथ्यू हेडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज मैथ्यू हेडन का मानना है कि करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना आखिरी मैच खेल लिया है लेकिन वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ किसी भूमिका में जुड़े रहेंगे। सीएसके का इस आईपीएल में शुक्रवार को अपने आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार के बाद सफर खत्म हो गया। इस मैच में धोनी ने 13 गेंद में 25 रन की आतिशी पारी खेली लेकिन यह टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने के लिए काफी नहीं था।

जीत के लिए 219 रन का पीछा करते हुए सीएसके को फाइनल में पहुंचने के लिए 201 रन की जरूरत थी लेकिन टीम सात विकेट पर 191 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर फाइनल में पहुंचने के लिए टीम को 17 रन की जरूरत थी। धोनी ने यश दयाल की गेंद पर इस सत्र का सबसे लंबा 110 मीटर का छक्का लगाकर चेन्नई की उम्मीदें बनाये रखी थी लेकिन वह अगली गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद टीम चार गेंद में सिर्फ एक रन ही बना सकी। धोनी ने मौजूदा सत्र में 220.55 की शानदार स्ट्राइक रेट से और 53.67 की औसत से 161 रन बनाये। वह इस अब तक इस आईपीएल के सबसे बड़े आकर्षण रहे है और हर मैदान में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक पहुंच रहे थे।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेल चुके पूर्व सलामी बल्लेबाज हेडन ने कहा कि धोनी अगले सत्र में अगर सीएसके का हिस्सा या मेंटोर नहीं होंगे तो उन्हें काफी आश्चर्य होगा। हेडन ने 'स्टार स्पोर्ट्स' के कार्यक्रम 'क्रिकेट लाइव' पर कहा, '' मुझे लगता है कि धोनी ने अपना आखिरी मैच खेल लिया है। ऐसा नहीं है कि हम आईपीएल में धोनी को आखिरी बार देख रहे हैं। मुझे बहुत आश्चर्य होगा अगर वह आधिकारिक क्षमता में सीएसके के परिवार का मार्गदर्शन नहीं करेंगे या उसका हिस्सा नहीं बनेंगे।'' उन्होंने कहा, '' जब आप किसी के करियर का अंत होता देख रहे होते हो तो आप यह नहीं चाहते कि उस खिलाड़ी को असफलता के साथ विदाई मिले।''

धोनी की कप्तान में खेल चुके हेडन ने कहा, '' एक कप्तान के तौर पर वह चेन्नई सुपर किंग्स के 'थाला (बड़ा भाई)' है। वह अपने दिमाग और क्रिकेट के सारे ज्ञान का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते हैं।'' इसी कार्यक्रम में भारतीय टीम के खिलाड़ी अंबाती रायुडू ने उम्मीद जताई कि धोनी आगामी सत्र में खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, '' मुझे नहीं लगता कि यह उनका आखिरी मैच था। मैं उन्हें इस तरह से करियर खत्म करते नहीं देख सकता।'' धोनी की अगुवाई में आईपीएल चैंपियन टीम का हिस्सा रहे रायुडू ने कहा, '' वह जब आउट हुए उस समय काफी निराश दिख रहे थे। यह धोनी का अंदाज नहीं था। वह क्वालीफाई (प्लेऑफ) करके अपने करियर को शीर्ष पर अलविदा कहना चाहेंगे।''

उन्होंने उम्मीद जताई की इंपैक्ट प्लेयर नियम बरकरार रहेगा जिससे धोनी को टीम का हिस्सा बने रहने में आसानी होगी। रायुडू ने कहा, '' आप धोनी के बारे में कुछ अंदाजा नहीं लगा सकते है, वह अगले साल फिर से वापसी कर सकते है। इंपैक्ट प्लेयर नियम से उन्हें आखिरी के कुछ ओवरों में बल्लेबाजी करने का मौका मिल सकता है। बीसीसीआई को इस नियम को बनाये रखना चाहिये क्योंकि हम धोनी को खेलते देखना चाहते है। अब गेंद बीसीसीआई के पाले में है कि हम धोनी को खेलते देख सकेंगे या नहीं।

प्लेऑफ से बाहर होने से निराश ऋतुराज बोले, खिलाड़ियों के चोटिल होने से नुकसान हुआ

बेंगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल में प्लेऑफ से बाहर होने से निराश चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा कि कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से उन्हें नुकसान हुआ है। सीएसके अपनी अहम लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से 27 रन से हारकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी थी। रुतुराज ने कहा कि यह एक अच्छा विकेट था। स्पिनरों को टर्न मिल रहा था। गायकवड़ ने कहा कि हमारे लिए खिलाड़ियों का बाहर होना नुकसानदेह रहा। डेवेन कॉनवे के नहीं होने से भी असर पड़ा। इसी कारण हमें पहले गेम से ही चुनौतियां मिल रही थीं। हमारे गेंदबाज पथिराना भी बाहर थे। हम मुस्तिफिजुर रहमान भी स्वदेश लौट गये थे। इसी कारण टीम के लिए संतुलन बनाना कठिन हो गया था। मेरे लिए व्यक्तिगत उपलब्धियां बहुत मायने नहीं रखतीं। हमारा अंतिम पुरस्कार जीतना होता है। हम इसे हासिल नहीं कर सके, इसलिए व्यक्तिगत रूप से मैं थोड़ा निराश भी हूं। हमने पिछले साल अपने आखिरी नॉकआउट गेम में आखिरी 2 गेंदों पर 10 रन बनाए थे, इसलिए यह एक समान स्थिति थी, हालांकि इस सत्र में चीजें हमारे अनुरुप नहीं रहीं। सीएसके ने लीग के पहले 9 मैचों में से पांच मैच जीतकर अच्छी स्थिति बनाई थी पर 10वें मुकाबले में वह जैसे ही पंजाब किंग्स से हारी, अंक तालिका में वह पीछे हो गयी। यहीं से उसकी हार का सिलसिला शुरु हो गया।

जन्म कुंडली से पता चलते हैं दाम्पत्य जीवन में कलह और मधुरता के योग

दाम्पत्य में जीवन साथी अनुकूल हो तो हर तरह की परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है लेकिन यदि दाम्पत्य जीवन में दोनों में से किसी भी एक व्यक्ति का व्यवहार यदि अनुकूल नहीं रहता है तो रिश्ते में कलह और परेशानियों का दौर लगा रहता है। ज्योतिषशास्त्र में जातक की जन्म कुंडली को देखकर, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आपके दाम्पत्य जीवन में कलह के योग कब उत्पन्न हो सकते हैं।

जीवन में कलह के योग बनते हैं-

- कुंडली में सप्तम या सातवाँ घर विवाह और दाम्पत्य जीवन से सम्बन्ध रखता है। यदि इस घर पर पाप ग्रह या नीच ग्रह की दृष्टि रहती है तो वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
- यदि जातक की जन्मकुंडली के सप्तम भाव में सूर्य हो तो उसकी पत्नी शिक्षित, सुशील, सुंदर एवं कार्यों में दक्ष होती है, किंतु ऐसी स्थिति में सप्तम भाव पर यदि किसी शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह और सुखों का अभाव बन जाता है।
- यदि जन्म कुण्डली में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, द्वादश स्थान स्थित मंगल होने से जातक को मंगली योग होता है इस योग के होने से जातक के विवाह में विलम्ब, विवाहोपरान्त पति-पत्नी में कलह, पति या पत्नी के स्वास्थ्य में क्षीणता, तलाक एवं क्रूर मंगली होने पर जीवन साथी की मृत्यु तक हो सकती है।
- जन्म-कुंडली के सातवें या सप्तम भाव में अगर अशुभ ग्रह या क्रूर ग्रह (शनि, राहू, केतु या मंगल) ग्रहों की दृष्टी हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह के योग उत्पन्न हो जाते हैं। शनि और राहु का सप्तम भाव होना भी वैवाहिक जीवन के लिए शुभ नहीं माना जाता है।
- राहु, सूर्य और शनि पृथकतावादी ग्रह हैं, जो सप्तम (दाम्पत्य)और द्वितीय (कुटुंब) भावों पर विपरीत प्रभाव डालकर वैवाहिक जीवन को नारकीय बना देते हैं।
- यदि अकेला राहू सातवें भाव में तथा अकेला शनि पांचवें भाव में बैठा हो तो तलाक हो जाता है। किन्तु ऐसी अवस्था में शनि को लग्नेश नहीं होना चाहिए। या लग्न में उच्च का गुरु नहीं होना चाहिए।
- अब इसी प्रकार एक सुखमय और मधुर वैवाहिक जीवन की बात करें तो जातक की जन्म-कुंडली में ग्रहों की स्थिति कुछ इस प्रकार से होनी चाहिए-
- सप्तमेश का नवमेश से योग किसी भी केंद्र में हो तथा बुध, गुरु अथवा शुक्र में से कोई भी या सभी उच्च राशि गत हो तो दाम्पत्य जीवन सुखमय पूर्ण रहता है।
- यदि दोनों में से किसी की भी कुंडली में पंच महापुरुष योग बनाते हुए शुक्र अथवा गुरु से किसी कोण में सूर्य हो तो दाम्पत्य जीवन अच्छा होता है।
- यदि सप्तमेश उच्चस्थ होकर लग्नेश के साथ किसी केंद्र अथवा कोण में युति करे तो दाम्पत्य जीवन सुखी होता है।
- यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में वैवाहिक जीवन को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो उपाय के लिए सबसे पहले पति-पत्नी की कुंडली का मिलान बेहद जरूरी हो जाता है। दोनों जातकों की कुंडली का एक मिलान करके ही ज्योतिषाचार्य उपाय को बता सकते हैं।
- कई बार देखा गया है कि यदि पत्नी की कुंडली में यह दोष मौजूद है और पति की कुंडली अनुकूल है तो समस्या थोड़ी कम हो जाती है और इसी के उल्ट भी कई बार हो जाता है। लेकिन यदि दोनों व्यक्तियों की कुंडली में सप्तम भाव सही नहीं रहता है तो उस स्थिति में जीवन नरकीय बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में कुंडली का मिलन समय से कराकर, उपायों को अगर अपनाया जाए तो पीड़ा कम हो जाती है।

सभी प्रकार के रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिलाता है

हनुमान यज्ञ

'नासे रोग हरे सब पीरा। जो सुमिरे हनुमंत बलबीरा।।'

हनुमान चालीसा की यह चौपाई बताती है कि बजरंग बली सभी प्रकार रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिला सकते हैं। इसी प्रकार कलयुग में हनुमान यज्ञ सभी प्रकार की पीड़ा से मुक्ति दिलाने वाला और धन और यश की प्राप्ति के लिए एक उत्तम और चमत्कारिक उपाय के रूप में बताया जाता है। संतों के अनुसार हनुमान यज्ञ में इतनी शक्ति है कि अगर विधिवत रूप से यज्ञ को कर लिया जाए तो यह व्यक्ति की हर मनोकामना को पूरा कर सकता है। इसलिए शायद कई हिन्दू राजा युद्ध में जाने से पहले हनुमान यज्ञ का आयोजन जरूर करते थे।

आइये जानते हैं कैसे होता है हनुमान यज्ञ और यदि कोई हनुमान यज्ञ नहीं करवा सकता है तो हनुमान जी की कृपा प्राप्ति का अन्य उपाय-

हनुमान यज्ञ को एक सिद्ध ब्राह्मण की आवश्यकता से ही विधिवत पूर्ण किया जा सकता है। यह यज्ञ इंसान को धन और यश की प्राप्ति करवाता है। जो भी व्यक्ति हनुमान यज्ञ से हनुमान जी की पूजा करता है और ध्यान करता है उसके जीवन में सभी समस्याएं निश्चित रूप से समाप्त हो जाती हैं। हनुमानजी को प्रसन्न करने का यह सर्वाधिक लोकप्रिय उपाय है। इस यज्ञ में हनुमान जी के मन्त्रों द्वारा, इनको बुलाया जाता है और साथ ही साथ अन्य देवों की भी आराधना इस यज्ञ में की जाती है। कहा जाता है कि इस यज्ञ में जैसे ही भगवान श्रीराम का स्मरण किया जाता है तो इस बात से प्रसन्न होकर, हनुमान जी यज्ञ स्थल पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो जाते हैं।

हनुमान यज्ञ के लिए कुछ आवश्यक वस्तुयें-

लाल फूल, रोली, कलावा, हवन कुंड, हवन की लकडियाँ, गंगाजल, एक जल का लोटा, पंचामृत, लाल लंगोट, पांच प्रकार के फल। पूजा सामग्री की पूरी सूची, यज्ञ से पहले ही ब्राह्मण द्वारा बनवा लेनी चाहिए।

हनुमान यज्ञ के लिए सबसे लिए मंगलवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इस यज्ञ को विधिवत पूरा एक ब्राह्मण की सहायता से ही करवाया जा सकता है।

अगर कोई व्यक्ति किसी कारण, पंडित जी से यज्ञ या हवन नहीं करवा सकता है तो ऐसे वह स्वयं से भी एक अन्य पूजा विधान को घर में खुद से कर सकता है।

पूजन विधि

हनुमान जी की एक प्रतिमा को घर की साफ़ जगह या घर के मंदिर में स्थापित करें और पूजन करते समय आसन पर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठ जाएं। इसके पश्चात हाथ में चावल व फूल लें व इस मंत्र (प्रार्थना) से हनुमानजी का स्मरण करें-

ध्यान करें-

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यं।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।

ऊँ हनुमते नमः ध्यानार्थे पुष्पाणि सर्मपयामि।।

अब हाथ में लिया हुआ चावल व फूल हनुमानजी को अर्पित कर दें।

इसके बाद इन मंत्रों का उच्चारण करते हुए हनुमानजी के सामने किसी बर्तन अथवा भूमि पर तीन बार जल छोड़ें।

ऊँ हनुमते नमः, पाद्यं समर्पयामि।।
अर्ध्यं समर्पयामि। आचमनीयं समर्पयामि।।

इसके बाद हनुमानजी को गंध, सिंदूर, कुंकुम, चावल, फूल व हार अर्पित करें। इसके पश्चात् हनुमान जी की उपयोगी और सरल 'हनुमान चालीसा' का कम से कम 5 बार जाप करें।

सबसे अंत में घी के दीये के साथ हनुमान जी की आरती करें। इस प्रकार यह यज्ञ और निरंतर घर में इस प्रकार किया गया पूजन, हनुमान जी को प्रसन्न करता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं को भी पूरा करता है।

ईश्वर अराधना की एक विधि है आरती

आरती देवी-देवता या अपने आराध्य, अपने ईष्ट देव की स्तुति की उपासना की एक विधि है। आरती के दौरान भक्तजन गाने के साथ साथ धूप दीप एवं अन्य सुगंधित पदार्थों से एक विशेष विधि से अपने आराध्य के सामने घुमाते हैं। मंदिरों में सुबह उठते ही सबसे पहले आराध्य देव के सामने नतमस्तक हो उनकी पूजा के बाद आरती की जाती है। इसी क्रम को सांय की पूजा के बाद भी दोहराया जाता है व मंदिर के कपाट रात्रि में सोने से पहले आरती के बाद ही बंद किये जाते हैं। मान्यता है कि आरती करने वाले ही नहीं बल्कि आरती में शामिल होने वाले पर भी प्रभु की कृपा होती है। भक्त को आरती का बहुत पुण्य मिलता है। आरती करते समय देवी-देवता को तीन बार पुष्प अर्पित किये जाते हैं। मंदिरों में तो पूरे साज-बाज के साथ आरती की जाती है। कई धार्मिक स्थलों पर तो आरती का नजारा देखने लायक होता है। बनारस के घाट हों या हरिद्वार, प्रयाग हो या फिर मां वैष्णों का दरबार यहां की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। तमिल में आरती को ही दीप आराधनई कहा जाता है।

आरती करते समय भक्त का मन स्वच्छ होना चाहिये अर्थात उसे पूरे समर्पण के साथ आरती करनी चाहिये तभी उसे आरती का पुण्य प्राप्त होता है। माना जाता है कि भक्त इस समय अपने अंतर्मन से ईश्वर को पुकारते हैं इसलिये इसे पंचारती भी कहा जाता है। इसमें भक्त के शरीर के पांचों भाग मस्तिष्क, कंधे, हाथ व घुटने यानि साष्टांग होकर आरती करता है इस आरती को पंच-प्राणों की प्रतीक आरती माना जाता है।

मंत्रों की ध्वनि में होती है शक्ति

वैसे तो मंत्रों के अर्थ इतना महत्व नहीं रखते क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि मंत्रों के अर्थ में नहीं बल्कि ध्वनि में शक्ति होती है। इसका एक कारण यह भी है कि इन मंत्रों की उत्पति के बारे में कहा जाता है कि ये किसी व्यक्ति विशेष द्वारा नहीं लिखे गए हैं बल्कि वर्षों की साधना के बाद ऋषि मुनियों ने इन ध्वनियों को सुना है। विशेषकर बीज मंत्रों के बीजाक्षरों का अर्थ साधारण व्यक्ति के लिए समझना बहुत मुश्किल है उसे ये निर्रथक लगते हैं लेकिन माना जाता है कि ये बीजाक्षर सार्थक हैं और इनमें एक ऐसी शक्ति अन्तर्निहित रहती है जिससे आत्मशक्ति या फिर देवताओं को उत्तेजित किया जा सकता है। ये बीजाक्षर अन्तःकरण और वृत्ति की शुद्ध प्रेरणा के व्यक्त शब्द हैं, जिनसे आत्मिक शक्ति का विकास किया जा सकता है। मंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है एक ऐसी ध्वनी जिससे मन का तारण हो अर्थात मानसिक कल्याण हो जैसा कि शास्त्रों में कहा गया है 'मनः तारयति इति मंत्रः' अर्थात मन को तारने वाली ध्वनि ही मंत्र है। वेदों में शब्दों के संयोजन से इस प्रकार की कल्याणकारी ध्वनियां उत्पन्न की गई। माना जाता है कि मनुष्य की अवचेतना में बहुत सारी आध्यात्मिक शक्तियां होती हैं जिन्हें मंत्रों के द्वारा प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र की ध्वनियों के संघर्ष से इन आध्यात्मिक शक्तियों को उत्तेजित किया जाता है हालांकि इसके लिए सिर्फ मंत्रोंच्चारण काफी नहीं है बल्कि दृढ़ इच्छा शक्ति से ध्वनि-संचालन एवं नैष्ठिक आचार भी जरुरी है। तंत्र साधना के मंत्रों में मंत्रोच्चारण की शुद्धि व मंत्रोचार के दौरान विशेष नियमों का पालन करना होता है जो किसी गुरु के मार्गदर्शन में ही संभव है। अक्सर लोग मंत्रों या बीज मंत्रों का जाप करते हैं या फिर जाप करवाते हैं लेकिन इन मंत्रों के मायने क्या हैं इस पर ध्यान नहीं देते लेकिन हर मंत्र में निहित बीजाक्षर और बीजाक्षर में निहित वर्ण बिंदु एवं मांत्राएं किसी न किसी देवी-देवता का प्रतिनिधित्व करती है। इस बारे में विश्वसनीय जानकारी बहुत कम मिलती है। लेकिन फिर भी हमने कुछ प्रयास किया है इन मंत्रों का अर्थ जानने का। यह भी देखने को मिलता है कि गायत्री और मृत्युंजय मंत्र जैसे लोकप्रिय मंत्रों के सरलार्थ तो हमें मिल जाते हैं, लेकिन अन्य मंत्रों के बारे में जानकारी नहीं मिलती।

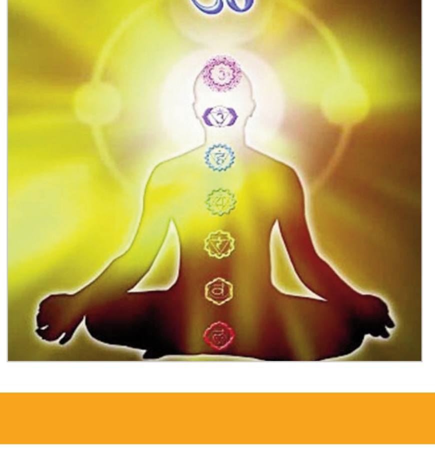

सोने के पलंग के अंदर भूलकर भी न रखें ये 10 चीजें

आप जिस पर पलंग पर सोते हैं वह बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि आपको उस पर कम से कम 7-8 घंटे गुजारना होते हैं। वास्तु अनुसार पलंग का हमारी सेहत और मन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः आओ जानते हैं कि यदि आपके यहां ऐसा पलंग है जिसमें बिस्तर रखे जा सकते हैं तो भूलकर भी पलंग के भीतर, नीचे या आसपास न रखें ये 10 वस्तुएं।

- 1. **कपड़ों की पोटली :** अक्सर लोग पलंग के भीतर गंदे या फटे पुराने कपड़ों की पोटली रख देते हैं जो कि वास्तु अनुसार ठीक नहीं है।
- 2. **इलेक्ट्रॉनिक सामान :** घर के बंद या खराब पड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान को पलंग के भीतर या नीचे नहीं रखें। इससे अनिद्रा रोग हो सकता है।
- 3. **डबल शीट :** पलंग के उपर कभी भी ऐसी शीट या गद्दा ना बिछाएं जो दो भागों में विभाजित हो। इससे पति पत्नी के बीच मनमुटाव बढ़ता है। पलंग पर दो अलग-अलग गद्दों की बजाय एक ही गद्दे का प्रयोग करें। इससे पति-पत्नी में एकता व सामंजस्य बना रहता है।
- 4. **लोहे की वस्तु :** पलंग के अंदर या नीचे लोहे की कोई वस्तु न रखें। कई लोग अटाला रख देते हैं।
- 5. **प्लास्टिक की वस्तु :** पलंग के अंदर या नीचे प्लास्टिक से बनी कोई भी वस्तु न रखें।
- 6. **झाड़ू :** पलंग के नीचे झाड़ू रखते हैं तो इस प्रकार की चीजें सोते समय हमारे मन और मस्तिष्क पर गहरा असर डालने का काम करती है। घर पर आर्थिक परेशानी बनी रहने के साथ लोग हर समय बीमारी लगी रहती है।
- 7. **शीशा :** पलंग के सिरहाने या सामने किसी तरह का शीशा, दर्पण नहीं लगा होना चाहिए और पलंग का सिरहाना एकदम प्लेन होने चाहिए। इससे गृहस्वामी को अनिद्रा, बेचैनी आदि परेशानियां हो सकती है।
- 8. **जेवर :** पलंग के अंदर कभी भी सोने, चांदी या अन्य धातु के जेवर या गहनें नहीं रखना चाहिए।
- 9. **जूते-चप्पल :** सोने से पहले जूते-चप्पल कभी भी बिस्तर के नीचे या सिरहाने की तरफ न रखें इससे निगेटिव एनर्जी आती है। अनावश्यक जूते चप्पल को पलंग के अंदर न रखें।
- 10. **तेल :** किसी प्रकार का कोई तेल अपने पास रखकर नहीं सोना चाहिए। इससे जीवन में विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई लोग पलंग पेटी में तेल की केन रख देते हैं जोकि हानिकारक है।

खार्किव हुआ वीरान, 10 हजार लोगों ने छोड़ा अपना घर

रोम। रूस-यूक्रेन की जंग को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन अब तक युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। 10 मई को रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र पर जमीनी हमले किए ।सभी लोग रूसी सैनिकों से बचकर भाग रहे थे। बता दें कि रूसी सेना उत्तर-पूर्वी सीमा पर पांच से 10 किलोमीटर (तीन से छह मील) तक सीमा पार कर चुके है। रूसी सेना ने 9 से 15 मई के बीच 278 वर्ग किलोमीटर (107 वर्ग मील) पर कब्जा कर लिया है, जो 2022 के अंत के बाद से उनकी सबसे बड़ी बढ़त है ।शुक्रवार को चीन की यात्रा के दौरान इस हमले के बारे में बोलते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यह यूक्रेन द्वारा रूसी सीमा क्षेत्रों पर की जा रही गोलाबारी का जवाब था। पुतिन ने कहा ज़ेलेंस्की ने आक्रमण में रूस की बढ़त को कम करके आंका। यूक्रेन के गवर्नर ने शनिवार को दावा किया कि इस जमीनी हमले के बाद से यूक्रेन के उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र में लगभग 10,000 लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है ।यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने बताया कि यह हमला व्यापक हमले की पहली लहर हो सकती है। गवर्नर ओलेग सिनेगुबोव ने कहा कि हमले के एक सप्ताह बाद, कुल 9,907 लोगों को निकाला गया है।

इजराइल के युद्ध कैबिनेट के सदस्य ने दी पद छोड़ने की धमकी

येरुशलम। इजराइल के तीन सदस्यीय युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने गाजा में युद्ध के लिए नई योजना नहीं अपनाने पर सरकार से इस्तीफा देने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध पर कोई नई योजना नहीं अपनाई तो वह 8 जून को अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनकी घोषणा से सात महीने से अधिक समय से गाजा में युद्ध लड़ रहे इजराइल के नेतृत्व में विभाजन के संकेत मिलते हैं, जिसे हमास को खत्म करने और सात अक्टूबर के हमले में अपहृत कई बंधकों को रिहा कराने के अपने घोषित लक्ष्यों को पूरा करना बाकी है।

गाजा को 160 टन से अधिक का ईंधन पहुंचाया गया : आईडीएफ

यरूशलम। आईडीएफ यानी इजराइल रक्षा बल का कहना है कि अमेरिका द्वारा स्थापित अस्थायी घाट के माध्यम से गाजा पट्टी में 160 टन से ज्यादा ईंधन पहुंचा दिया गया है। गौरतलब है कि यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने गुरुवार को ही बताया था कि अमेरिकी सेना ने एन्क्लेव में मानवीय सहायता पहुंचाने गाजा पट्टी में एक अस्थायी घाट स्थापित कर दिया है। इसी के माध्यम से ईंधन पहुंचाया गया है। आईडीएफ ने अपने एक बयान में शनिवार को कहा कि इसके अतिरिक्त, गाजा पट्टी में आवश्यक मानवीय अवसंरचना के संचालन के लिए, अस्पतालों और आश्रय क्षेत्रों सहित, 162,000 लीटर ईंधन और डीजल स्थानांतरित किया गया है। इस जानकारी अनुसार बीते सप्ताह, मानवीय सहायता के साथ 1,050 ट्रकों ने एरेज़ और केरेम शालोम सीमा क्रॉसिंग के माध्यम से एन्क्लेव में प्रवेश किया था। इसके साथ ही इजराइली सेना ने अल-मवासी में विस्तारित मानवीय क्षेत्र के लिए सैकड़ों टेंट भी बांटे हैं। वहीं स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि गाजा पट्टी में इजराइली हमलों में अब तक 35,200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। एक अनुमान के मुताबिक गाजा में हमास ने अभी भी 100 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया हुआ है।

अफगानिस्तान की बाढ़ में मरने वालों की संख्या 70 पहुंची, 10 लापता

काबुल। अफगानिस्तान के घोर और फरयाब प्रांतों में बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 70 के करीब पहुंच गई है। यह जानकारी दे रहे अफगान के मीडिया सेंटर ने बताया कि घोर में बाढ़ से 50 लोगों की मौत हुई, जबकि फरयाब में बाढ़ के कारण कारीब 18 लोग मारे गए हैं, 10 अन्य लापता बताए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार फरयाब में 07 अन्य लोगों की भी मौत हुई। इस प्रकार बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है10 अन्य लापता हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फरयाब में सात और लोगों की मौत हो गई। यहां बतलाते चलें कि बाढ़ के कारण सर-ए पोल प्रांत भी प्रभावित हुआ है।

इजराइल का दावा- रफाह में 130 से ज्यादा आतंकवादी मारे

-दर्जनों राइफलें, हथगोले और गोला-बारूद बरामद

यरूशलम। गाजा में इजराइल और हमास युद्ध जारी है। इजराइल ने अमेरिकी चेतावनी के बावजूद गाजा के रफाह में कई मिसाइल दागे हैं। जिसमें कई मासूम की जानें भी गई हैं। वहीं इजरायली की आईडीएफ का कहना है कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी के रफाह में 130 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आईडीएफ ने एक बयान ने कहा कि गिवाती इन्फैंट्री ब्रिगेड ने पूर्वी रफाह में एक ठिकाने पर 80 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया और दर्जनों राइफलें, हथगोले और गोला-बारूद बरामद किए हैं। इसके आलावा, गिवाती की टोही इकाई ने इलाके में सुरंग बनाने के बुनियादी ढांचे का भी पता लगाया। आईडीएफ के 401वीं बख्तरबंद ब्रिगेड ने हमास के बुनियादी ढांचे और इमारतों में छापेमार कर 50 आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। यहीं से आईडीएफ सैनिकों पर गोलीबारी की गई थी। आईडीएफ को दर्जनों सुरंग शाफ्ट और कई विमान भेदी बंदूकें भी मिली हैं।

इजराइली सेना का जबालिया कैंप पर हमला, तोड़फोड़ सेल खत्म

गाजा। इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा पट्टी में जबालिया पर हमला कर क्षेत्र के निवासियों से अपने घर खाली करने और पश्चिमी गाजा शहर में आश्रमों की ओर जाने को कहा है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने एक्स पर कहा कि सेना ने इमारतों में हमास के साथ झड़पों के बाद जबालिया में तोड़-फोड़ सेल को खत्म कर दिया। जहां तोड़फोड़ करने वाले छत की ओर भाग गए और सैन्य बलों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने इमारतों को घेर लिया और गोलीबारी के बाद समूह को खत्म कर दिया। उन्होंने तोड़फोड़ करने वालों की पहचान के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। इससे पहले फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने कहा कि जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायल के लगातार हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 28 लोग मारे गए। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजरायली युद्धक विमानों ने मिसाइलों से शिविर में विस्थापित लोगों के कई आवासीय घरों और एक आश्रय केंद्र को निशाना बनाया। इजरायली सेना ने हमास पर उत्तरी गाजा में अपनी क्षमताओं के पुनर्निर्माण की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

मंगल ग्रह को हरा भरा बनाने और इंसान को पहुंचाने की तैयारी!

– मस्क का दावा-30 सालों में इंसान यहां मकान बनाकर रह सकेंगे

वॉशिंगटन। मंगल ग्रह को लेकर वैज्ञानिकों में हमेशा कुछ न कुछ खोजने की दिलचस्पी रहती है। मंगल ग्रह पर नासा के रोवर मौजूद हैं। यह धरती की तरह है, वैज्ञानिक चाहते हैं कि इस ग्रह पर इंसानों को भेजा जाए। स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने इसे लेकर दावा किया है कि अगले 30 सालों में इंसान मंगल ग्रह पर मकान बनाकर रह सकेंगे। एलन मस्क ने लिखा कि हम मंगल ग्रह पर उतरने से बस कुछ ही साल दूर हैं। पांच साल से भी कम में बिना चालक वाला मिशन, जमीन पर लोगों को उतारने में 10 साल का मिशन, 20 सालों में एक बस्ती लेकिन निश्चित रूप से 30 वर्षों में एक सभ्यता। साल 2002 में एलन मस्क ने स्पेसएक्स की स्थापना की थी। यह तरल प्रोपेलेंट के जरिए रॉकेट को कक्षा में भेजने और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक अंतरिक्ष यात्रियों को पहुंचाने वाली पहली प्राइवेट कंपनी थी। एलन मस्क पहले मंगल ग्रह को हरा भरा बनाने की योजना बना चुके हैं। मस्क के हालिया ट्वीट के मुताबिक अगले पांच वर्षों में मंगल ग्रह पर मानव रहित मिशन लॉन्च किया जाएगा। मस्क स्टारशिप बनाने में भी लगे हैं, जो दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट होगा। वहीं मस्क ने संभावना जताई है कि अगले 10 सालों में इंसान मंगल ग्रह पर कदम रख देगा। एलन मस्क के एक्स पर 18.3 करोड़ फॉलोवर्स हैं। एक व्यक्ति ने ट्वीट करते हुए कहा कि बहुत से लोगों के लिए अकल्पनीय...उम्मीद है कि मैं प्रगति देखने के लिए 10 साल और जीवित रहूंगा।

इंडोनेशिया के माउंट ईबुय ज्वालामुखी से उठता हुआ धुआं।

प्रधानमंत्री प्रचंड को विश्वास मत हासिल करने का है भरोसा

काठमांडु। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड को विश्वास है कि वो सोमवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल कर लेंगे। दरअसल गठबंधन के सहयोगी द्वारा सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद प्रचंड को विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व गुरिल्ला नेता व पीएम प्रचंड (69) नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) के प्रतिनिधि हैं। यहां

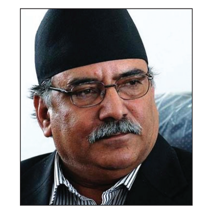

बतलाते चलें कि यह पार्टी प्रतिनिधि सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है और पद संभालने के 18 महीने के अंदर प्रचंड चौथी बार संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे। प्रचंड ने 25 दिसंबर 2022 को पीएम पद को संभाला था। प्रचंड ने शनिवार को काठमांडू में सत्तारूढ़ पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा, कि इसमें कोई शक नहीं कि मेरी सरकार शक्ति परीक्षण में सफल रहेगी। इसी के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी दलों के बीच पैदा हुए मतभेदों को बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाएगा। यहां बतलाते चलें कि प्रधानमंत्री जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं यदि वह विभाजित हो जाए या फिर गठबंधन सरकार का कोई सदस्य समर्थन वापस ले ले तो इस स्थिति में प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर विश्वास मत हासिल करना आवश्यक हो जाता है। अब चूंकि पिछले हफ्ते जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) ने गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया अत- सोमवार को संसद में प्रचंड को समर्थन हासिल करना आवश्यक हो गया है। प्रचंड ने उम्मीद जाहिर की है कि उन्हें समर्थन हासिल हो जाएगा।

मंत्रियों ने नेतन्याहू को दिया अल्टीमेटम कहा- मांग नहीं मानेंगे तो 8 जून को समर्थन वापस ले लेंगे

बीजिंग (एजेंसी)। तेलअवीव(ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच कई महीनों से जंग चल रही है। अब तक हजारों लोगों की मौत हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि दोनों ही देशों में इस जंग को लेकर घमासान शुरु हो गया है। वहां के लोग अब युद्ध से ऊब गए हैं। वे जंग नहीं शांती चाहते हैं। राफा पर तेज होती जंग के बीच इजरायल में भी उथल-पुथल मच गई है। साथी मंत्रियों ने नेतन्याहू को अल्टीमेटम जारी करते हुए सरकार से अपना समर्थन वापस लेने की धमकी दी। वॉर कैबिनेट मंत्री ने नेतन्याहू को दो टूक शब्दों में कहा कि अगर वे 8 जून तक गाजा पर अपना प्लान तैयार नहीं करते तो सरकार चलाना भूल जाइए।

इजरायल में युद्ध कैबिनेट मंत्री बेनी गैंट्ज़ ने शनिवार रात प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को एक अल्टीमेटम जारी किया। जिसमें उन्होंने प्रधान मंत्री नेतन्याहू को संदेश में कहा है कि गाजा पर शासन कौन और किस तरह करेगा? इस पर पीएम को जल्द ही फैसला लेना चाहिए। उन्होंने अल्टीमेटम में कहा कि अगर नेतन्याहू इस पर फैसला 8 जून तक नहीं ले लेते तो वे सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेंगे। गैंट्ज के इस बयान के बाद नेतन्याहू पर सरकार बचाने का संकट गहरा गया है। आरोप लगाया कि एक तरफ हमारे सैनिक बहादुरी से लड़ रहे हैं दूसरी तरफ हमारे कुछ राजनेता कायरता दिखाते हुए सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हैं। हमास के खिलाफ जंग के बीच इजरायल में ही नए संकट से नेतन्याहू को बैचेन कर दिया है। पहले ही वे राफा में जंग शुरू किए जाने से अमेरिका समेत अपने मित्र देशों की आलोचना का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बेनी गैंट्ज का कहना है कि नेतन्याहू ने हमास के खात्मे के लिए गाजा और अब राफा में जंग शुरू तो कर दी है लेकिन, युद्ध के बाद हमास को बढ़ने से पूरी तरह से रोकने का प्लान तैयार नहीं किया है। बेनी की मांग है कि गाजा पर जीत के बाद वहां शासन किस तरह से होगा, कौन राज करेगा, इस पर अभी भी इजरायली हुकूमत ने अपनी स्थिति साफ नहीं की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 8 जून तक इस पर फैसला नहीं लिया जाता तो वे गठबंधन से अपने कदम पीछे हटा लेंगे। गैंट्ज़ ने कहा कि उनका मानना है कि हमास के 7 अक्टूबर के नरसंहार से शुरू हुआ युद्ध हाल के कुछ महीनों में इज़रायल के कुछ नेताओं की कायरता के कारण भटक रहा है। गैंट्ज़ ने कहा, एक तरफ इजरायली सैनिक हमास के खिलाफ मोर्चे में अविश्वसनीय बहादुरी दिखा रहे हैं, जबकि वे लोग जिन्होंने उन्हें युद्ध में भेजा, वे कायरता दिखा रहे हैं और अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं।

बेन ने अपनी मांगों को फिर दोहराया। कहा- बंधकों को घर ले आओ, हमास के शासन को उखाड़ फेंको, गाजा पट्टी पर इजरायली सुरक्षा नियंत्रण हासिल करो।गाजा के लिए अमेरिकी, यूरोपीय, अरब और फिलिस्तीनी तत्वों को शामिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय नागरिक शासन तंत्र बनाया जाए, जो भविष्य के विकल्प के लिए रास्ता निकाले। ईरान और उसके सहयोगियों के खिलाफ और पश्चिम के साथ गठबंधन बनाने की एक व्यापक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में सऊदी अरब के साथ सामान्यीकरण को आगे बढ़ाया जाए। नेताओं ने कहा, गाजा की अंधेरी सुरंगों में जहां बंधक नरक की यातनाएं झेल रहे हैं, वहीं हमारे यहां कुछ नेता ऐसे भी हैं जो बकवास में लगे हुए हैं। इजरायल में कुछ राजनेता सिर्फ अपने बारे में सोच रहे हैं। इस बात का अफसोस है कि इजरायली सुरक्षा की कसम हम भूल रहे हैं।

अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता पर रिपोर्ट बनाने में एक भी हिंदू नहीं

– एफआईआईडीएस बोला- आयोग की रिपोर्ट में विविधता और संतुलन की कमी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे भारतवंशी लोगों ने अमेरिकी आयोग पर भारत और हिंदुओं को लेकर पक्षपाती रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया है। भारतीय प्रवासियों के संगठन फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने कहा है कि अमेरिका के धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में हिंदू धर्म का एक भी प्रतिनिधि नहीं है, लेकिन यह हिंदुओं के ऊपर रिपोर्ट तैयार करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट में विविधता और संतुलन की कमी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एफआईआईडीएस के खंडेराव कांड ने बताया कि आयोग में एक भी हिंदू प्रतिनिधित्व नहीं है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में विविधता लाने और उचित संतुलन बनाने के मामले में यह बड़ी चूक है। खंडेराव अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में तीन नए आयुक्तों की नियुक्ति पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। नए नियुक्त मॉरीन फर्ग्यूसन, विकी हार्टजलर और आसिफ महमूद हैं। 14 मई को आयोग के पिछले आयुक्तों अब्राहम कूपर, डेविड करी, फ्रेडरिक डेवी, मोहम्मद माजिद, नूरी तुर्केल और फ्रैंक वुल्फ का कार्यकाल खत्म हो गया था।

खंडेराव ने कहा कि नई नियुक्तियां दर्शाती हैं कि अमेरिकी सरकार ने यूएससीआईआरएफ में विविधता और संतुलन के लिए एक हिंदू प्रतिनिधि रखने का अवसर गंवा दिया है। हालिया वार्षिक रिपोर्ट को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसी रिपोर्ट हमेशा चूक भरी होती हैं। उन्होंने कहा, अध्ययन संदर्भों को नहीं दर्शाता है। यह ऐतिहासिक तथ्य या रुझान नहीं देता। इस तरह रिपोर्ट एक नैरेटिव के हिसाब से चलने लगती है और इसलिए यह तथ्यात्मक रूप से पूर्ण नहीं होती है, और एक विवाद बन जाती है। यह निश्चित रूप से भारत विरोधी है। उन्होंने कहा कि अध्ययन में पारदर्शिता का अभाव है कि विशेषज्ञों का चयन कैसे किया जाता है या साक्ष्य कैसे एकत्र किए जाते हैं। इसमें विविधता की कमी है, जिसके चलते रिपोर्ट विवादात्मक और पक्षपाती है।

दुनिया के ये दो देश जहां पर कम होगा न्यूक्लियर बम का असर... रहेगा जीवन संभव

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जब से धरती के कई देशों ने न्यूक्लियर बम बनाया है, तब से ही न्यूक्लियर हमले का खतरा बना हुआ है। आए दिन देशों के बीच युद्ध होने की खबरें आती हैं, और दुनिया इसी डर में जीने लगती है कि कहीं अगर इन युद्धों ने वर्ल्ड वॉर का रूप ले लिया और किसी देश ने न्यूक्लियर बम गिरा दिया तब उसका क्या नतीजा होगा? लेकिन अमेरिका के एक पत्रकार ने सालों से इस बात पर शोध किया है कि न्यूक्लियर युद्ध का क्या असर होगा। उन्होंने बताया कि अगर धरती पर न्यूक्लियर हमला होता है, तब वे कौन से देश हैं जान बचने की संभावना ज्यादा है। उन्होंने हाल ही में धरती पर मौजूद उन 2 देशों के बारे में बताया, जहां पर रहकर न्यूक्लियर हमले से बचा जा सकता है। पत्रकार एनी ने कहा कि अगर धरती पर न्यूक्लियर हमला हो, तब 72 घंटे के अंदर 500 करोड़ लोग मर जाएंगे। बचे हुए 300 करोड़ लोगों को कई प्रकार की मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। 3 महाद्वीपों से लगी आग की वजह से जो धुआं उठेगा, जिसकी वजह से छोटा हिम युग का दौर शुरू हो जाएगा। इस वजह से बचे हुए लोग खाना नहीं पैदा कर पाएंगे। धरती का अधिकतर हिस्सा, खासकर बीच वाला भाग पूरी तरह बर्फ की मोटी चादर से ढक जाएगा। आइओवा और यूक्रेन जैसी जगहें 10 सालों तक बर्फ से ढक जाए गी। न्यूक्लियर विंटर का असर इतना बुरा होगा कि फसलें पूरी तरह नष्ट होगी और दुबारा नहीं उग पाएगी। इसकी वजह से लोग मर जाएंगे। रेडिएशन पॉइजनिंग भी होने लगेंगी क्योंकि ओजोन लेयर भी नष्ट हो जाएगी, इस कारण लोगों को धरती के नीचे ही रहकर खुद को धूप ते बचाना होगा। एनी ने बताया कि क्लाइमेट और एटमॉस्फियरिक साइंस के एक्सपर्ट, प्रोफेसर ब्रायन टून ने उनसे कहा था कि धरती पर सिर्फ दो जगहें बचेंगी, जहां खेती हो पाएगी, वहां हैं ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड।

किर्गिस्तान में पाकिस्तानी छात्रों पर हो रहे हमले अब तक कईयों की गई जान

बिश्केक (एजेंसी)। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में स्थानीय लोगों के हमले में कम से कम तीन पाकिस्तानी छात्रों की जान चली गई। स्थानीय लोगों ने कई पाकिस्तानी और भारतीय छात्रों के हॉस्टलों को निशाना बनाया और तोड़फोड़ की। इसके अलावा बड़ी संख्या में छात्रों के घायल होने की भी खबरें है। किर्गिस सरकार के बयान में कहा गया कि अब हालात काबू में हैं और सभी सुरक्षित हैं।स्थानीय मीडिया की मानें तो किर्गिस्तानी और विदेशी छात्रों के बीच किसी मामूली बात पर झड़प हुई थी। इसके बाद इसका वीडियो वायरल होने लगा। बताया गया कि झड़प में किर्गिस्तानियों के साथ पाकिस्तानी और एजिप्ट के छात्र शामिल थे। इसके बाद किर्गिस्तानी छात्रों ने यह कहते हुए प्रदर्शन किया कि पुलिस भी विदेशी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि घटना के बाद तीन विदेशियों को हिरासत में लिया गया था। वहीं हिंसक भीड़ ने पाकिस्तानी, भारतीय और बांग्लादेशी छात्रों पर हमला शुरू कर दिया।

भारत सरकार ने भी अपने छात्रों के लिए अडवाइजरी जारी की और उन्हें घरों के अंदर रहने की ही सलाह दी है। हिंसा की खबरों के बाद किर्गिस्तान की एजेंसियों ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय छात्रों से कहा है कि वे लगातार दूतावास के संपर्क में रहें और कोई भी परेशानी होने पर तत्काल सूचना दें। वहीं पाकिस्तान ने भी अपने छात्रों को सावधान किया है। वहां की पुलिस का कहना है कि भीड़ ने भारतीय, पाकिस्तानी और बांग्लादेशी छात्रों के हॉस्टल पर हमला किया था। भीड़ को रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की भी तैनाती की गई थी। सोशल मीडिया पर हिंसा के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं जिसमें कई विदेशी छात्रों की पिटाई की बात सामने आई है। पाकिस्तान का कहना है कि हिंसा प्रभावित छात्रों के लिए हॉटलाइन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसके अलावा जो छात्र देश छोड़ना चाहते हैं उनको भी फ्लाइट की सुविधा दी जाएगी। वहीं सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि तीन पाकिस्तानियों की हत्या के अलावा कई महिलाओं के साथ रेप किया गया। हालांकि इसपर कोई कन्फर्म रिपोर्ट नहीं मिली है। बता दें कि किर्गिस्तान में भारत के करीब 15 हजार छात्र हैं। यह कन्फर्म नहीं है कि इनमें से कितने बिश्केक में रहते हैं। रूस, यूक्रेन और बांग्लादेश के साथ ही किर्गिस्तान भी एमबीबीएस के लिए प्रसिद्ध है। इस देश की डिग्री भी वैश्विक स्तर पर मान्य है। ऐसे में बहुत सारे लोग एमबीबीएस करने के लिए किर्गिस्तान का रुख करते हैं।

रुस और यूक्रेन युद्ध के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चीन से लगाई गुहार

-शी जिनपिंग से अगले महीने शांति वार्ता में हिस्सा लेने की अपील की

कीव (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वह चीन जैसे रूस पर असर रखने वाले देशों के साथ काम करना चाहते हैं। उनका देश नए सिरे से मॉस्को के जोरदार हमले का सामना कर रहा है। उन्होंने चीन से अगले महीने शांति वार्ता में हिस्सा लेने की अपील की है। जेलेंस्की ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें फोन कर भरोसा दिलाया कि चीन, यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करता है। जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि फोन पर यह बातचीत कब हुई। जेलेंस्की यह यह बयान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिनों की चीन यात्रा के बाद आया, जिसके दौरान दोनों देशों ने गहन रणनीतिक सहयोग का वादा किया था। चीन ने कभी भी रूस के फरवरी 2022 के यूक्रेन पर हमले की निंदा नहीं की है, बल्कि चीन ने इस संघर्ष में तटस्थता का दावा किया है। अगले महीने स्विट्जरलैंड में होने वाली शांति वार्ता से पहले शी जिनपिंग ने ऐसी अपील की है, जिसमें दोनों पक्षों की स्थिति को ध्यान में रखा जाए। जेलेंस्की ने कहा कि चीन जैसे वैश्विक देशों को शामिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस पर उनका असर है और जितने अधिक ऐसे देश हमारे पक्ष में होंगे उतना ही अधिक रूस को आगे बढ़ना होगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता के बारे में शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया था, उसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा कि वे समर्थन करते हैं, लेकिन वे क्या करेंगे, यह हमें अभी देखना बाकी है। बहरहाल जेलेंस्की और जिनपिंग के बीच जानकारी में आ चुकी फोन पर बात पिछले साल अप्रैल में हुई थी। जेलेंस्की ने कहा कि वह अगले महीने स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय वार्ता में चीन को देखना चाहेंगे, जिसका उद्देश्य यूक्रेन में शांति प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त करना है।

वहीं यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रूसी सेनाएं सीमावर्ती शहर के बंदियों को ढाल बनाकर इस्तेमाल कर रही हैं। रूसी सेना ने सीमावर्ती शहर वोवचांस्क में दर्जनों नागरिकों को पकड़ रखा है। गौरतलब है कि रुस ने उत्तरी यूक्रेन में अपना हमला फिर तेज कर दिया है। पिछले हफ्ते इसने जंग के दो साल में अपना सबसे आश्चर्यजनक अभियान शुरू किया। रूस ने यूक्रेन के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर खार्किव पर कब्जा करने की नई कोशिशों में उत्तरी सीमा को पार किया।

रायबरेली को सोनिया गांधी अपनी पारिवारिक संपत्ति मानती हैं

-झारखण्ड में चुनावी रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर बोला हमला

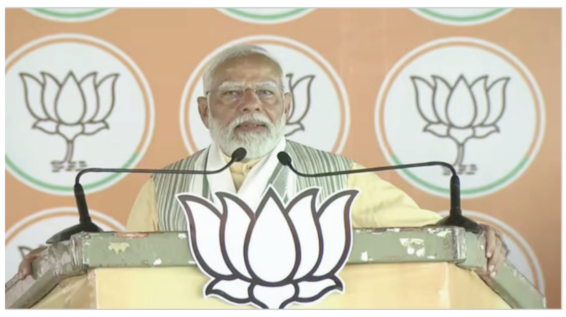

जमशेदपुर। (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के छठे और सातवें चरण में होने वाले मतदान के लिए चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। पीएम मोदी ने रविवार को झारखंड के जमशेदपुर में एक चुनावी रैली में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कोविड के बाद सोनिया गांधी एक भी बार रायबरेली नहीं गईं हैं वह इस लोकसभा सीट को अपनी परिवार की प्रॉपर्टी मानती हैं। पीएम मोदी ने राहुल गांधी के वायनाड और रायबरेली से चुनाव लड़ने पर कहा कि सोनिया गांधी ने कोविड के बाद एक बार भी अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली का दौरा नहीं किया और अब चुनाव आते ही वह कांग्रेस के लिए इस सीट पर वोट मांग रही हैं। वे इस सीट को अपनी पारिवारिक संपत्ति मानती हैं। आज देश की जनता को पता है कि संविधान को खतरा इंडिया ब्लॉक से है। वे एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण छीनना चाहते हैं। मैं उन्हें चुनौती दे रहा हूं कि वे लिखित में दें कि वे संविधान नहीं बदलेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे वायनाड से भागकर चुनाव लड़ने रायबरेली गए हैं। वह कहते घूम रहे हैं कि ये मेरी मम्मी की सीट है। कोई 8 साल का बच्चा स्कूल में पढ़ने जाता है, तब भी वो ये नहीं कहता है कि ये मेरे पापा का स्कूल है, भले ही उसके पापा वहां पढ़े हों। उनकी माता जी भी वहां गई और कह रही थीं कि मैं अपना बेटा आपको सौंप रही हूं।

पीएम मोदी ने कांग्रेस से पूछा कि रायबरेली में जब लोग कोविड महामारी से परेशान थे, तो क्या आपको एक बार रायबरेली आने का मौका नहीं मिला। क्या आपने यहां आकर एक बार भी पूछा है, क्या आपका हाल क्या है और आज कह रही हो कि रायबरेली मेरे बेटे को सुपुर्द कर दो। ये परिवारवादी लोग संसदीय सीटों का वसीयतनामा लिख रहे हैं। ऐसी परिवारवादी पार्टियों से झारखंड को बचाकर रखना है। कांग्रेस जैसे दलों ने कभी आपकी परवाह नहीं की। इन लोगों ने 60 साल तक गरीबी हटाओ का झूठा नारा दिया। ये मोदी है, जिसने 25 करोड़ गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला है।उन्होंने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पर हमला बोलते हुए कहा कि जेएमएम ने झारखंड में जमीन घोटाला किया। इन्होंने गरीब आदिवासियों की जमीनें छिनी, सेना की जमीनें हड़पीं. इनके घरों से जो नोटों के पहाड़ मिले हैं, वे आपके हैं। मोदी इन बेईमानों के ठिकानों से पैसा बरामद करवा रहा है। मैं इन पैसों को सरकार की तिजोरी में ले जाने के लिए बरामद नहीं कर रहा हूं। मैं रास्ता खोज रहा हूं, ये सारे पैसे जिनके हैं, मैं उन गरीबों को इसे लौटाऊंगा। ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस और जेएमएम वालों को विकास का क, ख, ग, घ... भी नहीं मालूम है। इनका तरीका है- झूठ बोलो, जोर से बोलो, बार-बार बोलो, इधर भी बोलो-उधर भी बोलो... इनके मुद्दे हैं- गरीब की संपत्ति का एक्स-रे करेंगे, उसे छीनेंगे, एससी-एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनेंगे, मोदी जी को रोज नई-नई गालियां देंगे। इससे आगे ये सोच ही नहीं सकते हैं क्योंकि इनकी सोच ही इतनी है इन्हें विकास से कोई लेना देना नहीं है।

लखनऊ से डीआरडीओ का हेलिकॉप्टर गायब, नहीं मिल रहा सुराग

-नगर निगम को सौंपी थी जिम्मेदारी, जवाब देने से बच रहे अधिकारी

लखनऊ। लखनऊ से एक डीआरडीओ को हेलीकॉप्टर गायब हो गया था जिससे हड़कंप मचा गया है। वृंदावन में 10 फरवरी 2020 को डिफेंस एक्सपो आयोजित हुआ था। इसमें डिफेंस रिसर्च एंड डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) में बना एक लड़ाकू हेलिकॉप्टर चिनूक को डिस्प्ले के लिए रखा गया था। यह हेलिकॉप्टर चोरी हो गया है या कहां गया? इसका जवाब जिम्मेदार अधिकारियों के पास नहीं हैं। गौरतलब है कि साल 2020 में डिफेंस एक्सपो के दौरान डीआरडीओ ने स्क्रैप से बना चिनूक हेलिकॉप्टर का मॉडल एंट्री गेट के पास डिस्प्ले के लिए रखा था। डिफेंस एक्सपो में दर्शकों ने हेलिकॉप्टर के इस मॉडल के साथ सेल्फियां भी ली थीं। एक्सपो खत्म होने के बाद हेलिकॉप्टर लोहे के मजबूत प्लैटफॉर्म पर यहां खड़ा रहा। इसकी देखभाल की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी गई थी। इस हेलिकॉप्टर के गायब होने की लिखित शिकायत अप्रैल 2023 में नगर विकास विभाग के संयुक्त सचिव कल्याण बनर्जी से की गई, जिसके बाद मामला सामने आया लेकिन अभी तक इस मामले में जांच कर पता नहीं पाया कि आखिर हेलिकॉप्टर गया कहां। इस मामले पर अब नगर निगम ने पूरी तरह से चुप्पी साध ली है। फरवरी 2023 में आयोजित जी-20 समिट के कार्यक्रम से पहले नगर निगम ने हेलिकॉप्टर का पिलर कमजोर होने और इलाके में वीआईपी मूवमेंट का हवाला देते हुए इस हेलिकॉप्टर को हटा लिया था। इसके बाद हेलिकॉप्टर का क्या हुआ और कहां गया इसका किसी को पता नहीं है। शिकायत के बाद कल्याण बनर्जी ने लखनऊ नगर निगम के अफसरों से पूछा हेलिकॉप्टर कहां गया? उस वक्त नगर निगम जोनल सेनेटरी अधिकारी राजेश झा ने लिखित जवाब दिया था कि हेलिकॉप्टर गोमती नगर स्थित निगम के रबिश एंड रिमूवेबल कार्यशाला में मरम्मत के लिए भेजा गया है। जब कार्यशाला के चीफ मनोज प्रभात से गई तो उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी हेलिकॉप्टर कार्यशाला में नहीं आया। न ही इसकी कोई एंट्री है। ऐसे में अब एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर हेलिकॉप्टर कहां गया।

एआई शब्द का इस्तेमाल 121 बार हुआ, पिचाई ने खोला राज

नई दिल्ली। (एजेंसी)

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि 100 मिनट के प्रजेंटेशन में एआई शब्द का इस्तेमाल कितनी बार हुआ होगा? इस सवाल का जवाब सुन कर आप कुछ हैरान हो सकते हैं। बीते साल हुई गूगल कॉन्फ्रेंस में जब एआई टर्म का इस्तेमाल बार-बार होता नजर आया था।

दरअसल, एक साल बाद गूगल कॉन्फ्रेंस 2024 में यह सामने आया है कि एआई शब्द का इस्तेमाल पिछले इवेंट में कुल 120 बार से ज्यादा हुआ था। बता दें, एआई शब्द का लगातार बार-बार इस्तेमाल होने से एक एआई मीम भी खूब वायरल हुआ था। जिसके बाद ही ठीक एक साल बाद पिचाई ने खुद इस बारे में जानकारी दी है। कैलिफोर्निया में एक इवेंट को खत्म करने से पहले सुंदर पिचाई ने कहा कि आज भी बहुत से लोग ऐसे होंगे जो यह काउंट कर रहे होंगे कि हमने आज एआई शब्द का कितनी बार इस्तेमाल किया है। क्योंकि, गूगल इवेंट की थीम ही यह है कि गूगल आपके लिए काम करेगा के साथ हम आगे आए और आपके लिए यह काउंटिंग की। आपको यह काउंटिंग न करनी पड़े, इसलिए हम ही इस सवाल का जवाब दे रहे हैं। सुंदर पिचाई ने एआई शब्द काउंट करने का यह टास्क गूगल जेमिनी एआई को सौंपा। पिचाई ने जेमिनी को प्रॉम्प्ट दिया और इसके साथ एक फाइल अपलोड की। दरअसल, यह फाइल इवेंट के स्पीकर की एक पूरी स्क्रिप्ट थी। कुछ ही समय में गूगल जेमिनी एआई ने जवाब दिया कि एआई शब्द का इस्तेमाल कुल 121 बार किया गया। पिचाई ने कहा कि यह किसी व्यक्ति द्वारा एआई शब्द इस्तेमाल करने को लेकर एक रिकॉर्ड हो सकता है। मैं कुछ और बार इस शब्द का इस्तेमाल करना चाहता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह टैली एक पंचलाइन से बढ़कर है। यह कुछ गहरा अभिव्यक्त करता है। हम एआई को लेकर एआई-फर्स्ट अप्रोच के साथ लंबे समय से काम कर रहे हैं।

आयकर विभाग ने चाय की टपरी चलानेवाले को भेजा 49 करोड़ नोटिस, जांच में हुआ बड़ा खुलासा

पाटन . (एजेंसी)

मौजूदा दौर किसी भी अज्ञात व्यक्ति को अपना आधार कार्ड, पान कार्ड, राशन कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज देने से पहले सौ बार सोचना पड़े ऐसी घटना उत्तर गुजरात के पाटण से सामने आई है. शहर के मार्केट यार्ड में चाय की टपरी चलानेवाले व्यक्ति को आयकर विभाग रु. 49 करोड़ के टैक्स और पैनल्टी जमा करने का नोटिस जारी किया है. 49 करोड़ का नोटिस देख चाय की टपरी चलानेवाले होश फाख्ता हो गए. हांलाकि पूरे मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. जानकारी के मुताबिक खेमराज दवे नामक व्यक्ति पाटन शहर स्थित मार्केट यार्ड में चाय की टपरी चलाकर अपना और परिवार का जीवनयापन करते हैं. पिछले 17 वर्षों से खेमराज चाय बेचते होने से मार्केट यार्ड के अनेक व्यापारियों से उनके अच्छे संबंध रहे है. यार्ड स्थित एक फर्म के मालिक अल्पेश पटेल और उसका भाई विपुल पटेल से खेमराज ने पान कार्ड निकलाने की प्रक्रिया के बारे में पूछा था. खेमराज की अज्ञानता का लाभ उठाते हुए अल्पेश और विपुल पटेल ने उनसे आधार कार्ड, राशन कार्ड और फोटो इत्यादि मंगवा लिए. जिसके बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खेमराज को बताए बगैर शहर की विभिन्न बैंकों में उनके पर एकाउंट खुलवा लिए. वर्ष 2014-15 और वर्ष 2015-16 में बेहिसाब करोड़ों रुपए के लेन देन के बारे में वर्ष 2023 और वर्ष 2024 में दो बार आयकर विभाग ने टैक्स और पैनल्टी समेत कुल रु. 49 करोड़ का नोटिस खेमराज के नाम जारी कर दिया. 49 करोड़ रुपए का नोटिस देख खेमराज के होश उड़ गए और इस बारे में अल्पेश पटेल को बताया. लेकिन उसकी ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर खेमराज ने अल्पेश पटेल और विपुल पटेल के खिलाफ पाटण शहर बी डिवीजन पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी.

जूता कारोबारी के यहां मिला नोटों का पहाड़, नोट गिनते गिनते मशीने भी हांफ गई

आगरा। (एजेंसी)

आयकर विभाग की अन्वेषण टीम ने एक जूता कारोबारी के यहां छापा मारा। छापे में मिले नोट देख टीम हैरान हो गई। इसके बाद नोटों को गिनने के लिए मशीने बुलाई गई। मशीने नोट गिनते गिनते गरम होकर रुक गईं। देर रात तक मशीनें लाई जाती रहीं।

नोट इतने अधिक थे कि मशीनें भी हांफ गईं। अंदर की कुछ तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुईं। इनमें बेड पर नोट बिछे हुए दिखाई दे रहे थे। आयकर विभाग के छापे के दौरान आसपास के घरों से भी कोई बाहर निकलकर नहीं आया। आयकर विभाग की टीम जयपुर हाउस में कारोबारी रामनाथ डंग के घर पहुंची तो आसपास के घरों के भी गेट बंद हो गए। देर रात तक उनके घर के गेट भी नहीं खुले। कारोबारी के आसपास के घरों के भी शाम से ही गेट बंद थे। कोई बाहर तक नहीं निकला।

आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने हरमिलाप ट्रेडर्स के रामनाथ डंग के जयपुर हाउस स्थित घर पर छापा मारा तो वहां बरामद हुए कैश को गिनने के लिए मशीनें मंगानी पड़ीं। हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग का घर जयपुर हाउस में है। आयकर विभाग की टीम शनिवार सुबह 11 बजे सभी ठिकानों पर पहुंची। जयपुर हाउस स्थित आवास में भी टीम पहुंच गई।आयकर विभाग की टीम ने घर में तलाशी ली। सूत्रों का कहना है कि घर में अलग-अलग स्थानों से टीम ने 60 करोड़ रुपये बरामद कर लिए।अधिकतर नोट पांच सौ रुपये के थे। टीम में शामिल अधिकारियों ने पहले हाथों से गिनती की। इसके बाद नोट गिनने के लिए कुछ मशीनें मंगवाईं। मगर, नोट इतने अधिक थे कि ये मशीनें हांफ गईं। रात 10।30 बजे तक दस से अधिक मशीनें मंगवाई जा चुकी थीं। सूत्रों का कहना है कि रात दस बजे तक 60 करोड़ से अधिक की रकम बरामद हो चुकी है। कारोबारी के घर में मशीनों से नोटों की गिनती जारी थी। रात 10।30 बजे लोडिंग टेंपो से टैंट हाउस के कर्मचारी गद्दे और तकिये लेकर पहुंचे। सुरक्षाकर्मियों और बाहर तैनात कर्मचारियों को गद्दे दे दिए गए। इसी बीच कारोबारी रामनाथ डंग गेट पर पहुंचे। गेट से बाहर झांकने के बाद उन्होंने गेट बंद कर लिया।

पीएम मोदी की 23-24 को पंजाब में 03 चुनावी-रैलियां

चंडीगढ़। (एजेंसी)

देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं और सभी राजनीतिक दल चुनाव रैली और रोड शो कर रहे हैं साथ एक एक-दूसरे पर तंज भी कस कर रहे हैं। बीजेपी भी 400 पार के नारे के साथ पूरी ताकत से साथ इस चुनाव मैदान है और अपने बड़े नेताओं की रैली व रोड शो करवा रही है। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी की 23 और 24 मई को पंजाब में तीन चुनावी-रैलियों को होनी है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने रविवार को बताया कि पीएम मोदी 23 मई को पटियाला में बीजेपी उम्मीदवार परनीत कौर के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उसके अगले दिन 24 मई को वह गुरदासपुर में बीजेपी उम्मीदवार दिनेश बाबू और जालंधर में सुशील रिंकू के समर्थन में रैलियां करेंगे। बीजेपी राज्य में पहली बार अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ रही है। इस बार उसकी असली परीक्षा होनी है। अकाली दल तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर करीब तीन दशक पुराना गठबंधन तोड़कर एनडीए से अलग हो गया था। शिरोमणी अकाली दल (एसएडी) और बीजेपी 1996 से राज्य में सीटों के बंटवारे के आधार पर चुनाव लड़ती रही हैं। पिछली बार 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से आठ सीट जीती थीं। वहीं बीजेपी और एसएडी को दो-दो सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि आम आदमी पार्टी के खाते में एक सीट गई थी। पंजाब में इस बार सभी सीटों पर एक साथ एक जून को मतदान होना है।

संक्षिप्त समाचार

ममता से कोई शिकायत नहीं, कांग्रेस खत्म नहीं करने दूंगा

-कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान के बाद अधीर रंजन के बदले सुर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वो किसी ऐसे व्यक्ति के पक्ष में नहीं बोल सकते जो राज्य में उन्हें और उनकी पार्टी को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहता है। अधीर रंजन ये बात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान के कुछ घंटों बाद कही जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी विरोधी गठबंधन के सत्ता में आने की स्थिति में ममता इंडी गठबंधन का हिस्सा होंगी या नहीं, इस पर निर्णय लेने वाले चौधरी कौन होते हैं। खरगे के बयान के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति के पक्ष में नहीं बोल सकता जो मुझे और कांग्रेस पार्टी को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहता हो। यह कांग्रेस कार्यकर्ता की लड़ाई है। और मैंने उनकी ओर से बात की है। अधीर रंजन ने कहा कि मेरा ममता से कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं है लेकिन मैंने उनकी राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाया है। ममता के बाहर से इंडी गठबंधन सरकार का समर्थन देने की बात पर रंजन ने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं किया जा सकता है और वह बीजेपी के साथ जा सकती हैं। दूसरी ओर खरगे ने कहा कि ममता बनर्जी गठबंधन के साथ हैं। वह सरकार में शामिल होंगी, इसका फैसला अधीर रंजन चौधरी नहीं करेंगे और अगर वो नहीं मानेंगे, तो वह बाहर जायेंगे।

जमात के पूर्व प्रवक्ता का पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

श्रीनगर। जमात-ए-इस्लामी के पूर्व प्रवक्ता ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इस बात की जानकारी रविवार को जम्मू-कश्मीर की पुलिस ने देते हुए कहा कि कई साजिश और मामलों में शामिल प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के पूर्व प्रवक्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही 15 मई को जमात-ए-इस्लामी के वरिष्ठतम नेता गुलाम कादिर वानी ने कहा था कि अगर सरकार संगठन पर प्रतिबंध हटाती है तो वह चुनाव में हिस्सा लेने को पूरी तरह से तैयार है। यहां पुलिस ने बताया कि अली मोहम्मद लोन उर्फ एडवोकेट जाहिद अली के रूप में पहचाने जाने वाले आरोपी, ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। यह आरोपी प्रतिबंधित संगठन जेईआई का प्रवक्ता भी था और साजिश और राष्ट्र विरोधी नारे, जेल तोड़ने के प्रयास आदि सहित अनेक अपराधों में शामिल था। श्रीनगर में पुलिस के सामने आरोपी ने आत्मसमर्पण किया है।

पतंजलि की 14 दावों के निर्माण पर लगी रोक हटी

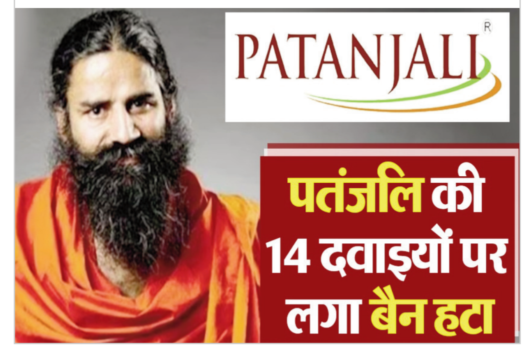

देहरादून । पतंजलि आयुर्वेद की जिन दवाओं के निर्माण में प्रतिबंध लगाया गया था। उस आदेश को अवैध मानते हुए उच्च स्तरीय समिति ने लाइसेंस प्राधिकरण के आदेश को निरस्त कर दिया है। उत्तराखंड के आयुष सचिव पंकज पांडे के अनुसार एक उच्च स्तरीय समिति ने लाइसेंस प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदेश को, अवैध बनते हुए उस पर अंतरिम रोक लगा दी है। बाबा रामदेव की दोनों कंपनियों ने राज्य औषधि लाइसेंस प्राधिकरण के आदेश के खिलाफ राज्य शासन के पास अपील की थी। दोनों कंपनियों की अपील पर सुनवाई करने के बाद सरकार ने पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य फार्मेसी के 14 उत्पादों पर लगी हुई रोक को हटा दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही बाबा रामदेव के मानहानि वाले मामले की सुनवाई हुई। उसके बाद उत्तराखंड सरकार की कृपा, एक बार फिर बाबा रामदेव की पतंजलि पर हुई है।

अभी चुनाव भी नहीं हुए कि टीएमसी और कांग्रेस होने लगे आमने सामने

मुंबई/कोलकाता। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव अभी पूरे भी नहीं हुए कि इंडी गठबंधन में खटपट शुरु हो गई है। खासतौर से कांग्रेस और टीएमसी के बीच चल रही तनातनी बाहर भी दिखाई देने लगी है। हाल ही में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी के उस बयान पर सख्त प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें टीएमसी सुप्रीमो ने कहा था कि 'अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो टीएमसी बाहर से समर्थन देगी। इस पर अधीर ने शुक्रवार को कहा था, 'मुझे उन पर भरोसा नहीं है। वह इंडिया गुट से अलग हैं। अब वह हमारे साथ मिलने की कोशिश कर रही हैं, क्योंकि उन्हें एहसास है कि हम राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हो रहे हैं। अब इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष के बयान ने दोनों दलों के बीच और टेंशन बढ़ा दी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के सामने ममता बनर्जी के मुद्दे पर मर्यादा की लकीर खींच दी। हालांकि ममता के मुखर विरोधी रहे अधीर फिर भी नहीं माने और अब बगावती तेवर तक दिखाने लगे हैं।दरअसल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे शनिवार को मुंबई में मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे, तभी किसी पत्रकारों ने उनसे ममता बनर्जी को लेकर सवाल कर दिया। इस पर खड़गे ने साफ किया कि 'ममता जी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। वहीं जब उनसे पूछा गया कि टीएमसी को लेकर बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीर के बयान कांग्रेस नेतृत्व के इस रुख से मेल नहीं खाते हैं, तो खड़गे ने कहा, 'वह (चौधरी) फैसला करने वाले नहीं हैं। हम फैसला करने के लिए हैं, कांग्रेस फैसला करेगी, यहां आलाकमान है। इसलिए, हम जो भी तय करेंगे वही सही होगा। हम जो भी तय करेंगे उसका पालन करना होगा और अगर कोई इसका पालन नहीं करता है, तो उसे बाहर जाना होगा।

खड़गे की इस शख्त चेतावनी के बावजूद अधीर रंजन चौधरी के रुख में कोई नरमी आने की बजाय वह बगावती होते दिखे। कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान को लेकर जब अधीर से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह 'बंगाल में कांग्रेस को बरबाद करने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ सहानुभूति नहीं रख सकते। अधीर चौधरी ने पत्रकारों से कहा, 'मैं पार्टी के एक सिपाही के रूप में इस लड़ाई को नहीं रोक सकता। (टीएमसी के खिलाफ) मेरी लड़ाई एक वैचारिक लड़ाई है। यह कोई निजी लड़ाई नहीं है। बंगाल में हम पार्टी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी और टीएमसी दोनों एक साथ हैं। वे बंगाल में एक-दूसरे के साथ मिलकर राज्य में चुनाव को दो पार्टियों वाला बनाना चाहते हैं।

वहीं जब खड़गे से ममता बनर्जी के उस बयान पर राय मांगी गई तो उन्होंने कहा, 'ममता जी ने पहले कहा था कि वह बाहर से समर्थन देंगी। अतीत में भी इसी तरह की मिसालें हैं। 2004 में यूपीए सरकार को कम्युनिस्टों ने भी बाहर से समर्थन दिया था, लेकिन उसके बाद ममता जी ने यह भी कहा कि वह इंडिया सरकार का हिस्सा होंगी, इससे यह साफ है कि वह गठबंधन के साथ हैं। ममता बनर्जी को लेकर अधीर रंजन के बयानों और फिर मल्लिकार्जुन खड़गे की इस चेतावनी ने एक बार फिर बंगाल में सियासी अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है।

लू की चपेट में उत्तर भारत, दक्षिण में गरज के साथ बारिश की संभावना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर और दक्षिण भारत में दो तरह का मौसम चल रहा है। उत्तर में भीषण गर्मी और लू ने लोगों की नाक में दम कर रखा है,वहीं दक्षिण भारत के राज्यों में गरज के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। जिन राज्यों में बारिश की चेतावनी दे गई उसमें तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और ओडिशा आदि शामिल है। इधर राजधानी दिल्ली हीटवेव की चपेट में है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, कोमोरिन क्षेत्र और निकटवर्ती दक्षिण तमिलनाडु तट पर समुद्र तल से 1.5 से 4.5 किलोमीटर ऊपर एक परिसंचरण बना हुआ है। कोमोरिन क्षेत्र और इससे सटे दक्षिण तमिलनाडु तट पर चक्रवाती परिसंचरण से लक्षद्वीप तक एक ट्रफ रेखा फैली हुई है। वहीं पूर्वी राजस्थान के मध्य भागों और आसपास के क्षेत्रों पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। दक्षिणी बांग्लादेश पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। पूर्वोत्तर असम और आसपास के इलाकों पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून के 19 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की उम्मीद है। एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू-कश्मीर पर है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में 22 मई तक सीवियर लू का अलर्ट है। इस दौरान तेज गर्म हवाएं चलने की आशंका है और दिन का पारा 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान, तेलंगाना, कर्नाटक, आंतरिक तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप, ओडिशा के कुछ हिस्सों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ कुछ भारी बारिश की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

DGVCL ने सूरत में स्मार्ट मीटर के शिकायतों के बारे में स्पष्टीकरण दिया, डेढ़ साल में १८ लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

DGVCL द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटरों को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रदेश भर में काफी शिकायतें सामने आ रही हैं. सूरत के पार्ले प्वाइंट इलाके के निर्मल नगर में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं. उसके बिल को लेकर कुछ शिकायतें सामने आई थीं. साथ ही कुछ अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी शिकायतें मिल रही थीं, इसका खुलासा आखिरकार DGVCL के

प्रबंध निदेशक ने किया.
जिन क्षेत्रों के अंतर्गत DG-VCL को शिकायत प्राप्त हुई थी. उस क्षेत्र में जाकर वहां के ग्राहकों का डाटा जांचने के बाद शिकायत करने वाले कुछ ग्राहकों से सीधा संपर्क भी किया गया है. यदि पुराने बिलों से इनकी तुलना की जाए तो पिछले साल अप्रैल और मई माह में उपभोक्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूम करने में आई थी. इसके डेटा में ज्यादा कोई बदलाव नहीं था. DGVCL के एमडी द्वारा उपभोक्ताओं के बीच फैली गलतफहमियों का स्पष्टीकरण दिया गया. DGVCL सूरत के प्रबंध निदेशक योगेश चौधरी ने कहा कि हमारी टीम उन सभी ग्राहकों तक पहुंच रही है जिन्होंने स्मार्ट मीटर लगाए हैं. उन्हें समझाने की कोशिश करते हुए उनका डेटा भी उनके सामने रखा जा रहा है. कभी-कभी जो रिचार्ज करने में आता है वह पुराने बिल बकाया होने के कारण रिचार्ज कराते ही उनके खाते से काफी रकम कट जाती है. इसके अलावा बताया गया कि सूरत शहर में कुल १२ हजार स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं. जिसमें अभी तक कोई अधिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन अब जो शिकायतें आई हैं, उनकी चर्चा सोशल मीडिया पर ज्यादा है. हमने उन सभी के बारे में समझा दिया है. अनुमान है कि अगले डेढ़ साल में सूरत शहर में १८ लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। निर्मल नगर के ग्राहकों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है. स्मार्ट मीटर लगे रहेंगे और इसी तरह काम करते रहेंगे। जो कोई गलतफहमी होगी वह दूर हो जाएगी.

ठेकेदार द्वारा पे एंड पार्किंग के डबल शुल्क वसूलने पर AAP पार्षद ने जमकर भड़ास निकाली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, आए दिन भोले-भाले लोगों से अवैध धन उगाही आम बात हो गई है. आम आदमी पार्टी (आप) के निगम पार्षद विपुल सुहागिया ने फिर अवैध वसूली करने वाले को पकड़. उन्हें अक्सर शिकायत मिल रही थी कि मकईपुल स्थित रंग उपवन के पे एंड पार्क में अवैध पार्किंग का पैसा लिया जाता है. यह बड़ी चालाकी से पार्किंग के लिए १० रुपये की जगह २० रुपये चार्ज करते है. इतना ही नहीं पैसों की पर्चियां भी फर्जी पाई जा रही हैं.

आप के निगम पार्षद विपुल सुहागिया ने कहा कि भ्रष्ट भाजपा सरकार के राज में हर जगह भ्रष्टाचार की दुकानें खुली हुई हैं, जहां भी जाएं उनके चमचे लूटने के लिए बैठे हैं. भाजपा नेता खुलेआम मलाई लेकर अपने ठेकेदारों को ठेका देकर जनता को लूटने की छूट देते हैं. सूरत नगर निगम की लगभग हर पार्किंग भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है. एक साल पहले भी बॉम्बे मार्केट के पास पार्किंग में बिना ठेके के वसूली का मामला सामने आया था. फिर दो माह पहले रेशमा रो हाउस के पास मल्टीलेवल पे एंड पार्क में कुछ तत्व बिना कॉन्ट्रैक्ट के पैसे वसूलते पकड़े गये थे. इसके अलावा दस दिन पहले खुलासा हुआ था कि मिनी बाजार मल्टी लेवल पे एंड पार्क में भी बिना कॉन्ट्रैक्ट के वसूली कर रहें है. अब चौक बाजार रंग उपवन में भी उसी तरह से लोगों को लूटने का काम चल रहा है. फिर भी आज तक सूरत नगर निगम के अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई ?

आप के निगम पार्षद विपुल सुहागिया ने कहा कि हमने शहर के अलग-अलग विस्तारो में खुद इस प्रकार के कॉन्ट्रैक्ट के नाम पर पकड़ा है. लोग अपने वाहन पार्क करने आ रहे हैं, वे जल्दी में होते है. और तो और, किसी के पास उनसे संवाद करने का भी समय नहीं है, जिसका लाभ ऐसे लोग उठा रहे हैं. पार्किंग का ठेका पूरा होने के बाद भी केवल रसीद बनाकर खुलेआम चोरी की जा रही है. उसमें भी दोगुने रुपये का पार्किंग चार्ज लिया जाता है. इन्हें कोई पूछने वाला नहीं, इनके खिलाफ कार्रवाई करने वाला कोई नहीं. मांग की गई कि ऐसे मामलों पर तत्काल कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाए और अधिकारी की संलिप्तता की भी जांच की जाए.

पुणा क्षेत्र में स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ आंदोलन का श्री गणेश,आपत्ति याचिका शुरू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत समेत राज्य के कई क्षेत्रों में बिजली कंपनी के स्मार्ट मीटर का जमकर विरोध हो रहा है. इस विरोध के बीच बिजली कंपनी के अधिकारियों ने स्मार्ट बिजली मीटर के बारे में सफाई देकर लोगों की गलतफहमियां दूर करने की कोशिश की है. हालाँकि, लोगों की गलतफहमी के साथ अब स्मार्ट बिजली मीटर चैप्टर में राजनीति भी शामिल हो गई है. कांग्रेस के अग्रिणीओं ने पुणा क्षेत्र की ४० से अधिक सोसायटियों में बैठकें कीं और आरटी बिजली मीटर की विभिन्न समस्याओं और उपभोक्ताओं को होने वाली कठिनाइयों के बारे में चर्चा की और स्मार्ट मीटर का विरोध करना शुरूकर दिया.
पिछले कुछ दिनों से बिजली कंपनी ने लोगों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाना शुरू कर दिया है, जिसका गुजरात के कई शहरों में विरोध हो रहा है. सूरत में भी पिछले तीन दिनों से स्मार्ट मीटर का जोरदार विरोध हो रहा है, बिजली कंपनी के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोगों के मन में बिजली मीटर को लेकर जो गलतफहमी है उसे दूर करने की कोशिश की. हालाँकि, सूरत में यह विरोध अब आक्रामक होने के साथ-साथ

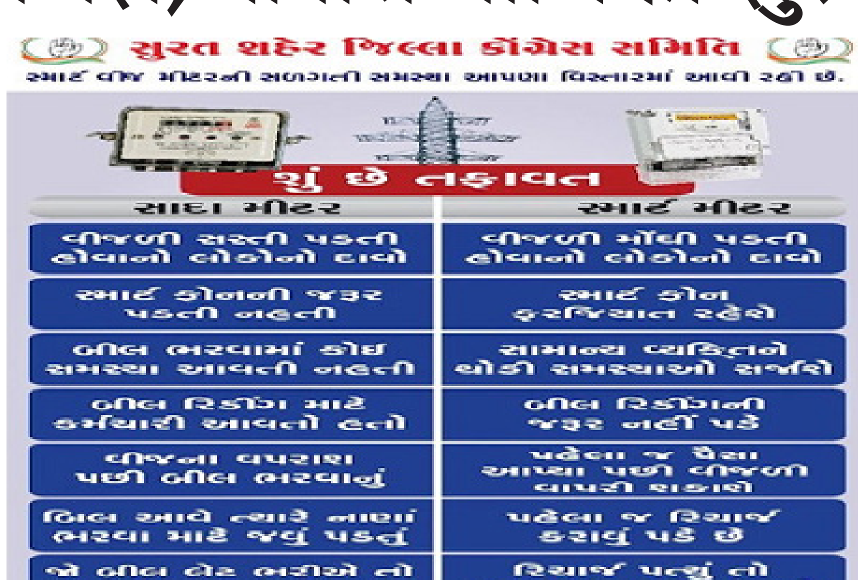

राजनीतिक भी होता जा रहा है क्योंकि एक के बाद एक कई जगहों से लोगों की प्रतिक्रिया आ रही है.
सूरत शहर के पुणा क्षेत्र में स्मार्ट बिजली मीटरों के खिलाफ जन आंदोलन का श्री गणेश किया जा रहा है. शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व नगरसेवक दिनेश सावलिया और शहर प्राथमिक शिक्षा समिति के पूर्व सदस्य सुरेश सुहागिया द्वारा पुणा क्षेत्र के ४० से अधिक समाज अध्यक्षों, नेताओं और जागरूक नागरिकों की एक बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में स्मार्ट बिजली मीटर की विभिन्न समस्याओं और उपभोक्ताओं को होने वाली कठिनाइयों पर चर्चा की गई और जनता से फीडबैक लिया गया. इस बैठक के बाद पुणा क्षेत्र की ४० सोसायटियों और अन्य सोसायटियों द्वारा प्रत्येक घर से स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ व्यक्तिगत आपत्तियां दर्ज कराने और प्रत्येक सोसायटी में लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया है.
इस बैठक में लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात राज्य के भाजपा शासकों द्वारा लोगों के मूलभूत आवश्यकता ऐसे बिजली का व्यवसायीकरण करने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने का ठेका देकर जनता की इच्छा के विरुद्ध पूरे राज्य में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो वास्तव में बहुत दुखद है और निजी कंपनियों के हित में धीरे ड्ड धीरे लोगो के विरोध के बीच पूरे राज्य में स्मार्ट मीटर लगाकर रिचार्ज के नाम पर लोगों को लूटने की छूट देने की नीति के खिलाफ आने वाले दिनों में जल्द ही एक आंदोलन किया जाएगा.

‘फोन लगाओ यूपी जीतोओ’

वोट देने की अपील करने वाले को प्रदेश अध्यक्ष के साथ चाय नास्ता करने को मिलेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत समेत गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान ७ मई को खत्म हो चुका है, लेकिन सूरत के परप्रांतीय क्षेत्रों में अभी भी लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का असर देखा जा रहा है. सूरत के परप्रांतीय क्षेत्रों में ‘फोन लगाओ यूपी जीतोओ’ जैसे बैनर राजनीति में चर्चा का विषय बन गए हैं. उत्तर प्रदेश चुनाव में वोट देने की अपील करने वाले बैनर सूरत के लिंबायत समेत उन क्षेत्रों में देखे जा रहे हैं जहां उत्तर भारतीय रहते हैं. बीजेपी ने मिनी इंडिया माने जाने वाले सूरत में रहने वाले उत्तर भारत के लोगों से अपने रिश्तेदारों को वोट देने की अपील करने के लिए एक अनोखा अभियान शुरूकिया है.
शहर के लिंबायत विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले उत्तर भारतीय लोगों की सोसायटी में बाहर एक बैनर लगाया गया है, जिसमें लिखा है, 'फोन लगाओ, यूपी जीतोओ', ऐसे बैनर के साथ यूपी जितावो कॉलिंग सेंटर की शुरुआत की गई है. लोगों को ऑफर दिया गया है कि जो कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश में २० लोगों को फोन करके बीजेपी को जिताने की अपील करेंगे उन्हें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के साथ चाय पीने का मौका मिलेगा. इसके लिए कॉल करने वाले को कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम, नंबर, लोकसभा क्षेत्र सहित जानकारी देनी होगी.

दांडी समुद्र तट पर बाइक चलाते समय एक बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया

महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पिछले रविवार को दांडी समुद्र तट पर एक दुर्घटना में चार लोगों की मौत के बाद इस रविवार को फिर एक महिला को समुद्र तट पर सवारी करने की कोशिश कर रहे एक युवक ने पकड़ लिया।
गर्मी की छुट्टियों के साथ-साथ दांडी के समुद्र तट पर बड़ी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती करने आते हैं, आज एक मुस्लिम परिवार समुद्र तट पर बैठकर नाश्ता कर रहा था, उसी दौरान एक युवा रितेश पटेल समुद्र तट पर सवारी कर रहा था और तुरंत १०८ से इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।
घटना की सूचना मिलने पर जलालपोर पुलिस तुरंत समुद्र में पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी गई है, पिछले रविवार को भी खडसुपानो परिवार के चार सदस्यों के समुद्र में गिरने की सूचना मिली थी. घटना की सूचना दांडी तट पर ड्यूटी पर तैनात होम गार्ड सहित अन्य लोगों को दी गई और महिला ने तुरंत १०८ पर कॉल किया और इलाज के लिए ले जाया गया।